MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 04 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-182

यूपी चुनाव में ओवैसी

गेम चेंजर या वोट कटवा?

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश बढ़ने के साथ ही मुस्लिम सियासत के कद्दावर चेहरे ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी एक्टिव हो गए हैं। सूबे में एक के बाद एक जनसभा कर सियासी माहौल बनाने में जुटे हैं। अब ओवैसी ने गुरुवार को अपनी तस्वीर के साथ एक पोस्ट कर दावा किया है, उत्तर प्रदेश में पूरा गेम बदल देंगे।

असदुद्दीन ओवैसी एक बार फिर यूपी में अपनी पार्टी की किस्मत आजमाने की कोशिश में हैं। ओवैसी की पार्टी यूपी में उन सभी सीटों पर अपने कैंडिडेट उतारने की कोशिश में है, जहां मुस्लिम मतदाता जीत या हार तय करने में बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं।उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी के बीच बहराइच के मटेरा और बिजनौर की नजीबाबाद विधानसभा सीट पर जनसभा कर चुके ओवैसी अब सोशल मीडिया पर यूपी का पूरा गेम बदल देने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वाकई ओवैसी यूपी का गेम बदलने की ताकत रखते हैं?

मुस्लिम बहुल सीटों पर नजर

एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पूर्वांचल से लेकर पश्चिम यूपी तक अपनी सियासी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। वो सूबे में रैलियां कर सियासी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। मिशन-यूपी का आगाज ओवैसी ने पूरवांचल के बहराइच की मटेरा विधानसभा सीट से किया और उसके बाद पश्चिमी यूपी के बिजनौर जिले की नजीबाबाद में रैली की। ओवैसी की 18 जुलाई को सहारनपुर और 25 जुलाई को मुरादाबाद में जनसभा प्रस्तावित है।

उत्तर प्रदेश की मुस्लिम बहुल सीटों पर ओवैसी फोकस कर रहे हैं, क्योंकि उन जिन दो क्षेत्रों में रैली हुई है, वहां पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक हैं और दोनों ही सीटों पर सपा के मुस्लिम विधायक हैं। इसके अलावा आने वाले समय में ओवैसी की जिन इलाकों में रैली होनी है, वो इलाके भी मुस्लिम बहुल माने जाते हैं। इस तरह मुस्लिम बहुल इलाकों से सियासी हुंकार भरते ही ओवैसी ने अपने सियासी तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया में एक तस्वीर पोस्ट कर दावा किया है, उत्तर प्रदेश में पूरा गेम बदल देंगे। इस पोस्ट में ओवैसी की तस्वीर के साथ यूपी का नक्शा है और सामने भीड़ व भारत का झंडा है। ऐसे में उनकी इस तस्वीर और पोस्ट को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। ओवैसी वाकई यूपी का गेम चेंजर बनने का माद्दा रखते हैं या वो सिर्फ वोटों के ध्रुवीकरण का जरिया हैं।

क्या वाकई बदल पाएंगे यूपी का सियासी गेम?

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाता 20 फीसदी के करीब हैं, जो सूबे की कुल 403 विधानसभा सीटों में से लगभग 143 सीटों पर निर्णायक भूमिका में हैं। इनमें से करीब 73 विधानसभा सीटों पर मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत से अधिक है, जो मुख्य रूप से पश्चिमी यूपी और पूरवांचल के जिलों में फैली हुई है। मौजूदा समय में मुस्लिम वोटर बीजेपी को रोकने के लिए समाजवादी पार्टी के पक्ष में लामबंद होते रहे हैं, लेकिन अब इन्हीं वोटों पर असदुद्दीन ओवैसी की नजर है।

ओवैसी मुस्लिम वोटों को अपने साथ लामबंद कर यूपी की सियासत में गेम बदलने का दावा कर रहे हैं, लेकिन जिस तरह से यूपी में मुस्लिम मतदाता सपा का परंपरागत वोट बना हुआ है, उसके चलते एआईएमआईएम 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में खाता तक नहीं खोल सकी। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन तलाशने के लिए फिर से पूरी ताकत झोंक रखी है, लेकिन जब बात गेम बदलने की आती है, तो दावों और जमीनी हकीकत के बीच एक बड़ा फासला नजर आता है।

यूथ में क्रेज बनाम बूथ की हकीकत

ओवैसी की रैलियों में उमड़ने वाली भीड़ और युवाओं में उनका क्रेज सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरता है। ओवैसी का बेबाक अंदाज, संविधान के दायरे में रहकर हक की बात करना और मुस्लिम समाज के मुद्दों पर आक्रामक रुख, युवाओं के एक वर्ग को आकर्षित करता है। इतना ही नहीं ओवैसी की जज्बाती बातें मुस्लिम युवाओं को काफी लुभा रही हैं, लेकिन भीड़ हमेशा वोटों में तब्दील नहीं होती। सूबे में देखा गया है कि ओवैसी का भाषण सुनने के लिए भीड़ तो जुटती है, लेकिन चुनाव के दिन जीतने वाले उम्मीदवार की तरफ शिफ्ट हो जाती है।

उत्तर प्रदेश की सियासत में असदुद्दीन ओवैसी 2017 के चुनाव से किस्मत आजमा रहे हैं, लेकिन अभी तक उनकी पार्टी का खाता तक नहीं खुला। 2017 में एआईएमआईएम ने 38 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से सिर्फ एक सीट पर ही मुख्य मुकाबला था, वो सीट संभल रही थी, जहां से जियाउर्रहमान बरक चुनाव लड़े थे। हालांकि, वो भी जीत नहीं सके थे। इसके अलावा सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। 2022 के चुनाव में एआईएमआईएम ने करीब 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें से एक उम्मीदवार गुड्डू जमाली को छोड़कर ▶8पर

काला हलाला तीन तलाक
यौन शोषण अब नहीं : हाईकोर्ट

लखनऊ, 03 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की एक महिला के साथ यौन शोषण के मामले में सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तीन तलाक और हलाला पर तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि तीन तलाक और हलाला जैसी प्रथाओं के नाम पर किसी के यौन शोषण की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि ऐसे रीति-रिवाज आत्मा को झकझोर देते हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अनुसार ऐसी प्रथाएं समाज का काला पन्ना हैं। ये संवैधानिक मूल्यों, समानता और मानवीय गरिमा के खिलाफ हैं।

जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। इस दौरान पीड़िता के पूर्व पति, चाचा, मौलाना समेत अन्य आरोपियों की याचिकाएं खारिज कर दी गईं। कोर्ट ने माना कि नाबालिग लड़की के साथ सुनियोजित तरीके से सामूहिक दुष्कर्म किया गया और इस मामले पर गहन जांच की जरूरत पर जोर दिया।

अमरोहा की रहने वाली एक महिला ने सैदनागली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का आरोप था कि जब वह नाबालिग थी, तभी उसका निकाह करा दिया गया। इसके बाद पति ने तीन तलाक दे दिया और हलाला के नाम पर उसके साथ दुष्कर्म हुआ। इसके बाद उसका दूसरा निकाह हुआ और दोबारा तीन तलाक दे दिया गया। इसके बाद डबल हलाला के नाम पर उसके साथ गैंगरेप किया गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अप्रैल 2015 में आरोपी अजहर नवाज ने उसके साथ निकाह किया था। इस दौरान उसकी उम्र सिर्फ 15 साल थी। जनवरी 2016 में उसे तीन तलाक दिया गया। कुछ महीने बाद उसने दोबारा शादी करने की बात कही। इसके बाद मौलाना कयूम के साथ उसका हलाला कराया गया। इस समय पीड़िता 16 साल की थी। उसने कहा कि उस समय उसे हलाला का मतलब भी नहीं पता था।

2017 में उसका दूसरा निकाह हुआ। 4 साल बाद आरोपी ने उसे दोबारा तीन तलाक देकर दूसरी महिला से शादी कर ली। नवाज की दूसरी पत्नी को बच्चे नहीं हो रहे थे। ऐसे में उसने तीसरी बार पीड़िता से शादी की। इस बार डबल हलाला के नाम पर नवाज के भाई और भतीजों ने 19 फरवरी 2025 को पीड़िता के साथ गैंग रेप किया और उसी शाम उसका तीसरी बार नवाज के साथ निकाह हुआ।

ईडी की अनोखी कार्रवाई
जेट नीलाम, पैसा वसूल!

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी तरह की एक पहली और अनोखी कार्रवाई करते हुए ज़ब्त किए गए हॉकर 800ए प्राइवेट जेट को 3 करोड़ रुपये में नीलाम किया है। इस नीलामी से प्राप्त राशि का उपयोग हैदराबाद स्थित फाल्कन ग्रुप के 792 करोड़ रुपये के पोंजी घोटाले में कथित तौर पर ठगे गए निवेशकों को मुआवजा देने के लिए किया जाएगा।धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ईडी द्वारा 1 जुलाई को एमएसटीसी लिमिटेड के माध्यम से इस विमान की नीलामी की गई। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि पीएमएलए की विशेष अदालत की अनुमति मिलने के बाद इस बिक्री से मिली राशि का उपयोग वास्तविक निवेशकों को उनका पैसा लौटाने के लिए किया जाएगा।

यह हॉकर 800ए विमान ईडी द्वारा अमरदीप कुमार, कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के हिस्से के रूप में 7 मार्च, 2025 को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान ज़ब्त किया गया था। इस जब्ती के बाद, पीएमएलए के तहत न्यायनिर्णयन प्राधिकरण ने 18 अगस्त, 2025 को इस कार्रवाई की पुष्टि की थी। ▶8पर

अयोध्या चढ़ावाकाँड पर संघ उवाच

दोषियों को सख्त सज़ा मिले

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का बड़ा बयान सामने आया है। खुद आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस पूरे विवाद पर आधिकारिक तौर पर पक्ष रखा। होसबाले ने कहा कि राम मंदिर में चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे रामभक्तों की भावना को आघात पहुंचा है। एसआईटी जांच का हम स्वागत करते हैं। इस मामले में जो भी दोषी हो, उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर प्रबंधन और सरकार से व्यवस्था की सभी कमियों को तुरंत दूर करने की मांग भी की है।दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, श्री राम जन्मभूमि पर बना भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, करोड़ों राम भक्तों के समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यही वजह है कि यह मंदिर पूरे हिंदू समाज की आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अयोध्या स्थित श्री रामलला मंदिर के दान पात्रों में जमा धनराशि की चोरी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आरएसएस ने कहा कि इस घटना से पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसलिए इस मामले को सामान्य अपराध की तरह नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े गंभीर विषय के रूप में देखा जाना चाहिए। उधर, एसआईटी की टीम इस वक्त राम मंदिर परिसर में मौजूद है और चंपत राय के करीबियों से पूछताछ हो रही है। आज लगातार दूसरे दिन अनिल मिश्रा और गोपाल राव से चढ़ावा चोरी के मामले में पूछताछ की जा रही है। कल करीब 8 घंटे तक दोनों से पूछताछ हुई थी। आज फिर एसआईटी की टीम अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ कर रही है।आपको बता दें कि 30 जून को अयोध्या पुलिस ने करीब 3 घंटे तक चंपत राय से पूछताछ की थी, उनका बयान रिकॉर्ड किया था। अब एसआईटी गोपाल राव और अनिल मिश्रा का बयान रिकॉर्ड कर रही है।

चंपत राय भी जेल जाएंगे: कटियार

एसआईटी को शक है कि चढ़ावा चोरी में सिर्फ वही आठ लोग शामिल नहीं हैं जो इस वक्त जेल में हैं, बल्कि इस लूट में कई और लोग भी शामिल हो सकते हैं। ▶8पर

कोर्ट से गुहार लगाएँगे दिग्गी : मेरा चंदा लौटा दो!

भोपाल, 03 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह अयोध्या में मुकदमा दायर करेंगे और मांग करेंगे कि उनके द्वारा दिया गया चंदा वापस किया जाए, क्योंकि उसका गबन हुआ है। उन्होंने इस मुद्दे पर 2 अक्टूबर से उज्जैन महाकाल मंदिर से अयोध्या राम मंदिर तक पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। दिग्विजय सिंह का कहना है कि यह यात्रा पूरी तरह गैर-राजनीतिक होगी और इसमें हर वह व्यक्ति शामिल हो सकता है जिसने राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया था। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पदयात्रा के दौरान मोबाइल फोन, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। यह यात्रा किसी राजनीतिक दल की नहीं, ▶8पर

अब श्री बदरीनाथ में भी : चढ़ावा चोरी आरोपों की जाँच

देहरादून, 03 जुलाई (एजेंसियां)। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने बदरीनाथ धाम में चढ़ावे और दान राशि में कथित अनियमितताओं के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि सोशल मीडिया पर सामने आए आरोपों की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच के लिए समिति गठित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद यदि कोई कर्मचारी या अधिकारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। मामले ने तब तूल पकड़ा जब भैरव सेना के अध्यक्ष संदीप खत्री ने मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ को पत्र भेजकर चढ़ावे में कथित ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 24^0

टीएमसी दफ्तर बाग़ी

ऋतब्रत गुट ने किया कब्जा

कोलकाता, 03 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस में शुक्रवार को एक अहम घटनाक्रम हुआ। टीएमसी के ऋतब्रत खेमे ने कोलकाता स्थित पार्टी के दफ्तर पर कब्जा कर लिया है। ऋतब्रत बनर्जी ऑफिस में ताला लगाकर चाबी अपने पास ले गए हैं। इस गुट के नेताओं ने कहा है कि असली टीएमसी वही हैं। शुक्रवार दोपहर को ऋतब्रत गुट के नेता मेट्रोपॉलिटन ईएम बाईपास स्थित तृणमूल पार्टी कार्यालय गए और एक बैठक की। इस दौरान ऋतब्रत के करीबी नेताओं ने पार्टी कार्यालय के दरवाजे पर नए पोस्टर लगाए और दावा किया कि वे असली तृणमूल हैं। बैठक के बाद उन्होंने पार्टी कार्यालय को ताला लगा दिया और चले गए।

ममता को सलाहकार बनाया, अरूप रॉय को अध्यक्ष

शुक्रवार दोपहर को ऋतब्रत बनर्जी, फिरहाद हकीम, संदीपन साहा, जावेद खान, अखुज्जमां और अन्य कई नेता अचानक मेट्रोपॉलिटन ईएम बाईपास स्थित तृणमूल पार्टी कार्यालय पहुंचे। पार्टी कार्यालय के प्रवेश द्वार पर ममता बनर्जी और अरूप रॉय की तस्वीर वाला एक नया पोस्टर भी लगाया गया था। बता दें कि टीएमसी के इस गुट ने ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से हटा दिया है और अरूप रॉय को नया अध्यक्ष बनाया है।

▶8पर

अध्यक्ष वड़िंग के खिलाफ विद्रोह

चन्नी दा पंजाब!

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस एक बार फिर अंदरूनी कलह से जूझती नजर आ रही है। एक तरफ पार्टी चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रही है, वहीं दूसरी ओर पंजाब कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष खुलकर सामने आ गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के आवास पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई, जिसमें हाल ही में घोषित संगठनात्मक नियुक्तियों और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखने पर नाराजगी जताई गई।

बैठक में मौजूद नेताओं ने कहा कि पंजाब के कार्यकर्ताओं और जनता की भावनाओं को पार्टी हाईकमान तक पहुंचाने के लिए एक समिति बनाई गई है। इस समिति में चरणजीत सिंह चन्नी भी शामिल हैं। समिति जल्द ही दिल्ली जाकर राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात करेगी।

कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह कांगड़ ने कहा कि पार्टी हाईकमान को पंजाब के लोगों की आवाज सुननी चाहिए। उनका कहना था कि यदि कांग्रेस को राज्य में सरकार बनानी है तो लोकप्रिय चेहरे को आगे लाना होगा। जिस तरह कभी कैप्टन अमरिंदर सिंह लोकप्रिय थे, उसी तरह आज चरणजीत सिंह चन्नी जनता के बीच सबसे लोकप्रिय नेता हैं और उन्हें आगे किया जाना चाहिए।

वहीं कांग्रेस नेता नाजर सिंह मानशाहिया ने कहा कि बैठक में शामिल सभी नेताओं ने एक स्वर में राजा वड़िंग को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान से मांग की जाएगी कि चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी घोषित किया जाए। ▶8पर

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने परिवार के कारोबार का बचाव किया, कहा–बच्चों करना पड़ता है जांच का सामना

वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने परिवार के कारोबार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले से ही बच्चे व्यापार के क्षेत्र में हैं। उन्हें कड़ी जांच का सामना करना पड़ता है। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति का पद इतना ताकतवर होता है कि उनके बच्चे जो कुछ भी करते हैं, उसे हितों का टकराव माना जा सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की यह टिप्पणी मंगलवार को जारी उनकी 2025 की वार्षिक वित्तीय प्रकटीकरण रिपोर्ट (फाइनेंशियल डिस्क्लोजर रिपोर्ट) के बाद आई है। इस रिपोर्ट से सार्वजनिक हुआ कि व्हाइट हाउस में वापसी के पहले साल 2025 में उन्होंने अपने परिवार से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी वेंचर से 580 मिलियन डालर से ज्यादा कमाए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में सीएनबीसी के साथ साक्षात्कार में इस सबके अलावा अन्य मुद्दों पर पर भी बातचीत की।

ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति की नीतियां अर्थव्यवस्था के लगभग हर हिस्से पर असर डालती हैं। बच्चों की अपनी जिंदगी है। क्रिप्टो वेंचर में कुछ भी गैरकानूनी या गलत नहीं हुआ।

उन्होंने हितों के टकराव से जुड़े संघीय कानूनों का जिक्र भी किया। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के लिए उन फैसलों से खुद को अलग करना जरूरी नहीं है जो उनके वित्तीय हितों पर असर डाल सकते हैं। ट्रंप ने इसके अलावा उच्चतम न्यायालय, अर्थव्यवस्था, बाजार, ईरान, फेडरल रिजर्व और 2026 के मध्यावधि चुनाव जैसे मुद्दों पर भी बातचीत की।

उनसे उनके पसंदीदा अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम बताने या अमेरिकी इतिहास के किसी खास दौर को अहम मानने के बारे में पूछा गया, तो ट्रंप ने कहा, हमारे यहां कुछ बहुत बुरे राष्ट्रपति भी रहे हैं। इसके बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले का जिक्र किया। इस फैसले को राष्ट्रपति पद को मजबूत करने वाला माना गया है, क्योंकि इसने कमांडर-इन-चीफ को उन स्वतंत्र संघीय एजेंसियों के सदस्यों को हटाने की इजाजत दी जो एग्जीक्यूटिव ब्रांच के तहत काम करती हैं।

ट्रंप ने कहा, इस फैसले ने राष्ट्रपति को बहुत अधिक ताकत दी, लेकिन यह पद हमेशा से मजबूत रहा है। सिर्फ मेरे समय से ही नहीं। इसे सबसे ताकतवर ओहदा माना जाता है। दूसरे देशों के राष्ट्रपतियों के पद को उतना ताकतवर नहीं माना जाता। उन्होंने कहा, एक देश के तौर पर हमारी फिर से इज्जत हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

नए राष्ट्रपति विमान की ऐतिहासिक पहली उड़ान, ट्रंप ने की महत्वपूर्ण घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नार्थ डकोटा यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि उनकी यह यात्रा केवल एक ऐतिहासिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह 37 साल बाद नए सिरे से तैयार किए अमेरिकी राष्ट्रपति के विमान (जिसे आधिकारिक हवाई यातायात नियंत्रण काल चिह्न वायु सेना एक कहा जाता है) की पहली उड़ान भी थी। ट्रंप ने विमान को शानदार और बेहतरीन बताया, जिससे उनका दौरा और भी खास बन गया। नार्थ डकोटा के मेडोरा में समर्थकों को संबोधित कर ट्रंप ने सबसे पहले इस नई उड़ान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह 37 साल बाद इस विमान की पहली आधिकारिक उड़ान थी। यह एक बेहतरीन विमान है। उन्होंने थियोडोर रूजवेल्ट को एक बेहद खास व्यक्ति बताया, जिनकी वे लंबे समय से प्रशंसा करते रहे हैं और जिन्हें अपना आदर्श मानते हैं। ट्रंप रूजवेल्ट राष्ट्रपति पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में शामिल होने मेडोरा पहुंचे थे, जहाँ वह इस पुस्तकालय का उद्घाटन करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। इस भावुक क्षण में, राष्ट्रपति ट्रंप ने श्वेत भवन के रूजवेल्ट कक्ष से थियोडोर रूजवेल्ट का कांग्रेस का सम्मान पदक निकालकर पुस्तकालय को भेंट किया। कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे डग बर्गम ने ट्रंप की उपस्थिति को ऐतिहासिक क्षण बताकर कहा कि पुस्तकालय खुलने पर आगंतुक राष्ट्रपति ट्रंप की आवाज में रूजवेल्ट के प्रसिद्ध भाषण अखाड़े में व्यक्ति का अंश सुन सकते है। बर्गम ने ट्रंप को आज के अखाड़े में व्यक्ति कहा। राष्ट्रपति ट्रंप ने नई पुस्तकालय को बेहतरीन संग्रहालय, शानदार पुस्तकालय और उत्कृष्ट केंद्र बताकर इसकी तारीफ की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि यह एक बेहद खास और सफल स्थान बनेगा, जिससे उन्हें गहरा लगाव है। इस मौके पर, राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय मानविकी कोष के माध्यम से पुस्तकालय की शुरुआती प्रदर्शनियों के लिए 7.5 लाख अमेरिकी मुद्रा इकाइयों की संघीय सहायता देने की भी घोषणा की।

66 अरब में चीन ने पहाड़ काट दौड़ा दी 350 किमी/घंटा की रफ्तार से बुलेट ट्रेन

बीजिंग। चीन ने अपने विशाल हाई-स्पीड रेल नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली नई बुलेट ट्रेन सेवा शुरू की है। यह परियोजना देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों को जोड़ते हुए दुर्गम चिनलिंग पर्वतों से होकर गुजरती है, जिसे चीन के इंजीनियरिंग कौशल का एक और बड़ा प्रमाण माना जा रहा है। इस नई बुलेट ट्रेन सेवा की शुरुआत मंगलवार को शीआन ईस्ट रेलवे स्टेशन से बुलेट ट्रेन जी-3966 के रवाना होने के साथ हुई। यह हाई-स्पीड रेल लाइन शान्शी प्रांत की राजधानी शीआन को हुबेई प्रांत के शियान शहर से जोड़ती है। इस 257 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के चालू होने से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय 6 घंटे से भी अधिक कम हो गया है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में क्रांतिकारी सुधार आएगा। इसके अतिरिक्त, यह नई लाइन पहले से मौजूद वुहान-शियान हाई-स्पीड रेल से भी जुड़ती है, जिससे अब शीआन से वुहान तक का सफर मात्र 2 घंटे 41 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

हंगरी ने भगोड़े पोलिश पूर्व मंत्री की शरणार्थी मान्यता रद्द की

वारसा। पोलैंड सरकार ने गुरुवार को बताया कि हंगरी की नई सरकार ने भगोड़े पूर्व न्याय मंत्री ज्बिग्न्येव

जियोब्रो, उनके पूर्व उपमंत्री मार्सिन रोमानोव्स्की और जियोब्रो की पत्नी पत्रिच्या कोतेत्स्का-जियोब्रो का शरणार्थी दर्जा रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद तीनों अब उन विशेष यात्रा दस्तावेजों का उपयोग नहीं कर सकेंगे, जिनकी मदद से वे हंगरी छोड़कर विदेश गए थे। पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि हंगरी ने न केवल तीनों की शरणार्थी मान्यता समाप्त की है, बल्कि उनके यात्रा दस्तावेज भी अमान्य कर दिए हैं। उन्होंने कहा, न्याय की प्रक्रिया धीमी हो सकती है, लेकिन अंततः न्याय होता है। जियोब्रो और रोमानोव्स्की पर सरकारी अपराध पीड़ित सहायता कोष के धन के कथित राजनीतिक दुरुपयोग सहित सत्ता के दुरुपयोग के कई आरोप हैं। दोनों नेता इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा करते हैं कि वे राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं और वर्तमान प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के करीबी लोगों के खिलाफ की गई अपनी जांच के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। दोनों नेता 2023 में सत्ता से बाहर हुई ला एंड जस्टिस सरकार में मंत्री रहे थे।

जंग के बीच, रूस की नींद उड़ाने वाला यूक्रेन का सीक्रेट ड्रोन,दुनियाभर में हो रही चर्चा, न नाम, न चेहरा, न फोन नंबर

कीव

रूस की सैन्य अड्डों और तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन द्वारा किए जा रहे लगातार और घातक हमलों ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तनाव में डाल दिया है। चार साल पहले जिन्होंने सोचा था कि वे कुछ दिनों में कीव पर कब्जा कर लेंगे, आज उसी यूक्रेन की गुप्त ड्रोन इकाइयां रूस के अंदर तक हमला कर रही हैं, जिससे रूस की नींद उड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि इन हमलों को अंजाम देने वाले सैनिक नाम, चेहरा, फोन नंबर... सब कुछ गुप्त रखते हुए लगभग अंधेरे में रहकर काम करते हैं। उनकी जिंदगी जीने का तरीका बेहद अलग है, जो सख्त गोपनीयता के नियमों से बंधा है। खबरों के अनुसार, इस इकाई के एक सदस्य डेनिस (बदला हुआ नाम) 2025 से इन हमलों में शामिल हैं, लेकिन उसके दोस्तों और माता-पिता को भी उसकी असली भूमिका की कोई जानकारी नहीं है। यूनिट के नियम बेहद सख्त हैं। इस यूनिट ने रूस पर कई बड़े हमले किए हैं, जिनमें जून में मास्को की एक तेल रिफाइनरी पर हमला शामिल है, जिससे राजधानी के आसमान में घना काला धुआं छा गया था। इसी तरह, सेंट पीटर्सबर्ग पर भी हमला किया गया था, जब वहां एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चल रहा था। कीव इन हमलों को मास्को द्वारा यूक्रेनी शहरों पर किए जा रहे रात के बमबारी का उचित जवाब बताता है। यूक्रेन हर हफ्ते रूस के ईंधन डिपो और रिफाइनरियों को निशाना बनाकर मास्को की ऊर्जा आय को कम करने की कोशिश कर रहा है। डेनिस कहते हैं कि वे दुश्मन के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्राथमिकता वाले लक्ष्य हैं, इसलिए गोपनीयता परम आवश्यक है।

इस यूनिट के सदस्यों के नाम, उम्र और चेहरे पूरी तरह गुप्त रखे जाते हैं। उनकी तस्वीरें या वीडियो लेना भी प्रतिबंधित है। वोरोन उपनाम वाले एक सैनिक ने बताया कि वे जानते हैं कि उनके परिवारों और खुद के लिए कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए वे यथासंभव अंधेरे में रहना चुनते हैं। वोरोन पहले चित्रकार और मार्शल आर्ट प्रशिक्षक थे। विवाहित और एक बच्चे के पिता वोरोन कहते हैं कि उनकी पत्नी को उनके काम पर शक तो है, लेकिन वह सवाल नहीं पूछती। उनके परिवार और दोस्त अभी भी मानते हैं कि वह स्पेशल फोर्स में सेवा दे रहे हैं। सैन्य खुफिया के एक अधिकारी ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में उन्हें पहचानना मुश्किल है।

दो हंपबैक व्हेल ने 15 हजार किमी यात्रा कर बनाया रिकार्ड

लंदन। ताजा शोध ने समुद्री जीव विज्ञान की कई पुरानी धारणाओं को चुनौती दे दी है। दो हंपबैक व्हेल ने आस्ट्रेलिया और ब्राजील के बीच लगभग 15 हजार किलोमीटर लंबी समुद्री यात्रा पूरी कर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया है। इससे पहले किसी भी व्हेल के इतनी अधिक दूरी तय करने का प्रमाण नहीं मिला था। आमतौर पर हंपबैक व्हेल भोजन और प्रजनन के लिए मौसम के अनुसार लंबी यात्राएं करती हैं। वे गर्मियों में ठंडे समुद्री क्षेत्रों में भोजन जुटाती हैं और सर्दियों के दौरान प्रजनन के लिए गर्म समुद्री इलाकों का रुख करती हैं। हालांकि आस्ट्रेलिया से ब्राजील तक महासागर पार करना बेहद दुर्लभ माना जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस रिकार्ड ने यह संकेत दिया है कि इन व्हेलों की आवाजाही पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो सकती है। समुद्री जीवों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान नहीं होता। इस अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने पिछले चार दशकों में एकत्र की गई 19 हजार से अधिक हंपबैक व्हेल की तस्वीरों का विश्लेषण किया। इन तस्वीरों को विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और नागरिक वैज्ञानिकों ने मिलकर संकलित किया था। इसके बाद विशेष पहचान साफ्टवेयर की सहायता से व्हेल की पूंछ पर बने अनोखे रंगों और पैटर्न का मिलान किया गया। प्रत्येक हंपबैक व्हेल की पूंछ का डिजाइन अलग होता है, जिससे उसकी पहचान संभव हो जाती है। इसी तकनीक से पुष्टि हुई कि आस्ट्रेलिया और ब्राजील में दिखाई देने वाली दोनों व्हेल वास्तव में वही थीं। शोधकर्ताओं के अनुसार अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन व्हेलों ने समुद्र में कौन-सा मार्ग अपनाया। उपलब्ध तस्वीरें केवल उनकी यात्रा के शुरुआती और अंतिम स्थानों की जानकारी देती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि संभवतः दोनों व्हेल किसी साझा भोजन क्षेत्र में दूसरी आबादी की व्हेलों से मिली होंगी और बाद में अपने पुराने प्रजनन क्षेत्र में लौटने के बजाय नए मार्ग पर आगे बढ़ गईं। विशेषज्ञों का मानना है कि दक्षिणी गोलार्ध में विशाल खुला महासागर इस तरह की लंबी यात्राओं को संभव बनाता है, जबकि उत्तरी गोलार्ध में बड़े महाद्वीप ऐसे मार्गों में बाधा बनते हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान के कारण भोजन के स्रोत तथा प्रवास के पारंपरिक रास्तों में भी बदलाव आ सकता है।

स्विफ्ट टेलीस्कोप को बचाने का 30 अरब डालर खर्च करेगा नासा

वाशिंगटन

नेशनल एयरोनाटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने अंतरिक्ष में अपने स्विफ्ट टेलीस्कोप को बचाने के लिए एक बचाव अभियान शुरू किया है। नासा का यह स्विफ्ट टेलीस्कोप अब पृथ्वी पर गिरने की कगार पर है। अंतरिक्ष में लगभग दो दशकों से ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर कर रहे इस महत्वपूर्ण बूढ़े योद्धा को बचाने में लगभग 30 अरब डालर का अनुमानित खर्च आएगा। 2004 में लान्च किया गया स्विफ्ट आब्जर्वेटरी, ब्रह्मांड में गामा-रे बर्स्ट - जो सबसे शक्तिशाली विस्फोट माने जाते हैं और अन्य जटिल ब्रह्मांडीय घटनाओं का अध्ययन करता है। यह उपग्रह लगातार नासा के वैज्ञानिकों को मूल्यवान और आवश्यक जानकारियां प्रदान करता रहा है, जिससे अंतरिक्ष विज्ञान में कई महत्वपूर्ण खोजें संभव हो पाई हैं। यही कारण है कि नासा इसे खोना नहीं चाहता है और इस पर इतना बड़ा निवेश करने को तैयार है। स्विफ्ट टेलीस्कोप अपनी उम्र के कारण अब नीचे की ओर गिरना शुरू हो गया है। इसके सौर पैनलों की बैटरी कमजोर हो गई है, और तेज सौर गतिविधि ने भी इसकी कक्षा को प्रभावित किया है। यदि इसे जल्द ही ऊंची और सुरक्षित कक्षा में नहीं भेजा गया, तो यह पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर जलकर राख हो सकता है। इसे जल्दी से ऊंची कक्षा में पहुंचाना बेहद जरूरी हो गया है ताकि यह अपना काम जारी रख सके। इस बचाव अभियान के तहत, नासा ने कैटालिस्ट स्पेस टेक्नोलाजीज को स्विफ्ट को ऊंची कक्षा में ले जाने के लिए एक बूस्टर देने का काम सौंपा है। इसके लिए नासा पेगासस राकेट का उपयोग करेगा, जिसे एक विशेष विमान से लान्च किया जाएगा। यह पहला ऐसा मिशन होगा जिसमें किसी पुराने लेकिन अभी भी कार्यशील उपग्रह को बचाने के लिए इस तरह के स्पेस रोबोट या स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाएगा। नासा के लिए यह एक महंगा लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण मिशन है। बूढ़े योद्धा स्विफ्ट अभी भी उत्कृष्ट ढंग से काम कर रहा है और ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों का पता लगाने में सक्षम है, जिससे उसकी निरंतर उपयोगिता सिद्ध होती है। नासा के विज्ञान प्रमुख निक फाक्स ने इस पर जोर देते हुए कहा है, स्विफ्ट हमें बहुत महत्वपूर्ण जानकारी देता है। हम इसे खोना नहीं चाहते। यह बचाव अभियान अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है, हालांकि स्विफ्ट को सितंबर तक वापस लौटना पड़ सकता है, इसलिए इसे जल्दी शुरू किया जा रहा है।

ब्रह्मांड संभवतः हर दिशा में एक जैसा नहीं हैः अध्ययन

लंदन। डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (डीईएसआई) से प्राप्त ताजा आंकड़ों के विश्लेषण के बाद शोधकर्ताओं का दावा है कि ब्रह्मांड संभवतः हर दिशा में एक जैसा नहीं है। यदि यह निष्कर्ष आगे के अध्ययनों में भी सही साबित होता है, तो आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के कई स्थापित सिद्धांतों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ सकती है। ब्रह्मांड की संरचना को लेकर वैज्ञानिकों के बीच लंबे समय से चली आ रही मान्यताओं पर एक नए शोध ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। डीईएसआई परियोजना ने लगभग 11 अरब प्रकाश-वर्ष दूर स्थित 4.7 करोड़ आकाशगंगाओं का अत्यंत विस्तृत मानचित्र तैयार किया है। इसी विशाल डेटा का अध्ययन खगोल वैज्ञानिक फ्रांसिस्को साइलोस लाबिनी और मार्को गैलोप्पो ने किया। उनके निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित हुए हैं, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय में नई बहस शुरू हो गई है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ब्रह्मांड की संरचना हमारी अब तक की समझ से कहीं अधिक जटिल हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, छोटी दूरी पर देखने पर आकाशगंगाओं का वितरण असमान दिखाई देता है। कहीं विशाल खाली क्षेत्र नजर आते हैं तो कहीं आकाशगंगाओं के बड़े-बड़े समूह दिखाई देते हैं। इस विशेषता को वैज्ञानिक भाषा में एनीसोट्रापी कहा जाता है।

चीनी प्रेम में ट्रंप ने खेला खेल, इंडो पैसिफिक से इंडो शब्द को हटाया

वाशिंगटन चीन के साथ टकराव कम करने की नीति अपना रहा

वाशिंगटन

अमेरिका की विदेश और रक्षा रणनीति दस्तावेज से एक छोटा-सा शब्द हटाना भी बड़े भू-राजनीतिक संकेत देता है। इसी कारण हाल के दिनों में अमेरिकी प्रशासन के कुछ आधिकारिक दस्तावेजों में इंडो-पैसिफिक की जगह केवल पैसिफिक शब्द का इस्तेमाल चर्चा का विषय बना हुआ है। पहली नजर में यह महज एक शब्द का हटाया जाना भर है लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इसके गहरे मायने हैं। यही वजह है कि इस बदलाव को चीन, भारत, जापान और पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक करीब एक दशक पहले तक दुनिया इस क्षेत्र को मुख्य रूप से एशिया-पैसिफिक कहती थी, लेकिन भारत के बढ़ते आर्थिक, सामरिक और समुद्री प्रभाव को देखते हुए जापान ने सबसे पहले इंडो-पैसिफिक की अवधारणा को प्रमुखता से आगे बढ़ाया। बाद में अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों ने भी इसी शब्द को अपनी आधिकारिक रणनीति का हिस्सा बना लिया। इसका सीधा संदेश था कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर अब अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साझा सामरिक क्षेत्र हैं

और भारत इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा, व्यापार और समुद्री संतुलन का प्रमुख स्तंभ है। यदि अमेरिकी प्रशासन आधिकारिक भाषा में लगातार इंडो-पैसिफिक की जगह केवल पैसिफिक का इस्तेमाल करता है, तो इसे केवल भाषाई बदलाव नहीं माना जाएगा। इसका राजनीतिक संदेश यह हो सकता है कि वाशिंगटन फिलहाल चीन के साथ टकराव कम करने की नीति अपना रहा है। ट्रंप लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि अमेरिका को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा तो करनी चाहिए, लेकिन अनावश्यक टकराव से बचना भी जरूरी है। ऐसे में कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इंडो शब्द हटाना चीन को यह संदेश देने की कोशिश है कि अमेरिका उस रणनीतिक ढांचे को कुछ हद तक नरम करना चाहता है, जिसे बीजिंग लंबे समय से चीन को घेरने की कोशिश बताता रहा है। हालांकि, केवल शब्द बदलने से अमेरिका की पूरी सामरिक नीति बदल गई है, ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। वास्तविक आकलन अमेरिका की सैन्य तैनाती, साझेदारियों और नीतिगत फैसलों से ही होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन लंबे समय से इंडो-पैसिफिक रणनीति का विरोध करता रहा है। उसका आरोप है कि यह अवधारणा अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के जरिए चीन को संतुलित या सीमित करने का प्रयास है।

ईरान में खामेनेई के ताबूत पर रखा गया खास लाल झंडा, पहली बार नजर आए आईआरजीसी के नए कमांडर अहमद वाहिदी

तेहरान

ईरान में इस साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मारे गए देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के ताबूत के पास एक खास लाल झंडा रखा गया है। दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम शुरू होने से पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के नए कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका से युद्ध के बाद आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। उन्हें रात को अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार जुलूस (जो 4 जुलाई से शुरू होगा) से पहले उनके ताबूत के पास देखा गया। तेहरान में हुसैनी इमाम खुमैनी के पास विदाई समारोह के लिए अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर पहुंच गया है। हुसैनी

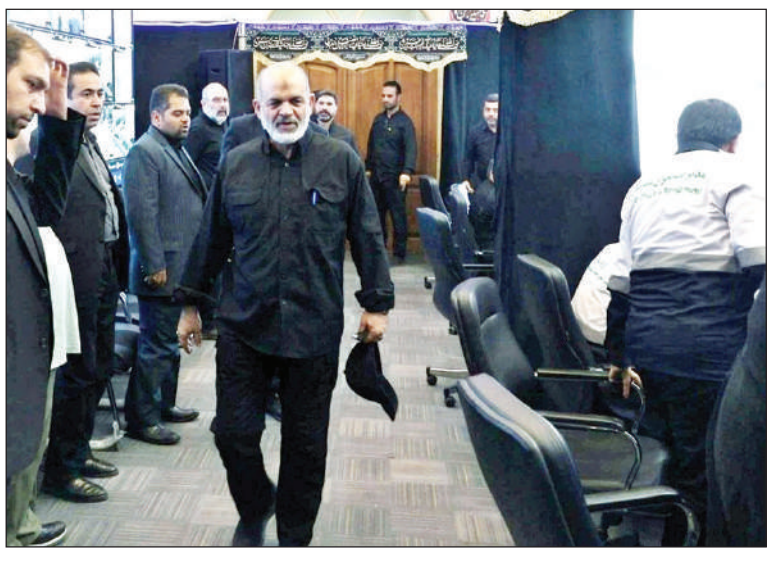

इमाम खुमैनी तेहरान में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और राजनीतिक सभा स्थल है। अली खामेनेई ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक देश का नेतृत्व किया है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के नए प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी ने पूर्ववर्ती मोहम्मद पाकपौर की जगह ली है। पाकपौर ईरान पर शुरुआती अमेरिकी-इजराइली हमलों में मारे गए थे। वाहिदी ने गुरुवार रात पूर्व सर्वोच्च नेता खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हिस्सा लिया। 1970 के दशक के आखिर में आईआरजीसी की शुरुआत से ही उससे जुड़े रहे वाहिदी 1980 के दशक में ऊंचे पदों पर पहुंचे और खुफिया व सैन्य विभागों में अहम भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 1988 से 1997 तक कुद्स फोर्स का नेतृत्व किया। बाद में वाहिदी ने यह भूमिका ईरान के मशहूर कमांडर कासिम सुलेमानी को सौंप दी। सुलेमानी 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हुए हवाई हमले में मारे गए। दिसंबर 2025 में सर्वोच्च नेता खामेनेई ने वाहिदी को आईआरजीसी का उप प्रमुख नियुक्त किया। वाहिदी ने वरिष्ठ राजनीतिक भूमिकाएं भी निभाई हैं। वह पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के कार्यकाल में रक्षामंत्री और फिर दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के कार्यकाल में गृहमंत्री रहे। दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के ताबूत पर इमाम रजा दरगाह का खास लाल झंडा रखा गया है। जार्जटाउन यूनिवर्सिटी में मध्य पूर्व और इस्लामी राजनीति के एसोसिएट प्रोफेसर नादेर हाशमी का मानना है कि लाल झंडा हुसैन इब्न अली के बलिदान का प्रतीक है। हुसैन इब्न अली पैगंबर मोहम्मद के पोते हैं। वह कर्बला की लड़ाई में मारे गए थे। हाशमी ने कहा, कर्बला की लड़ाई में उनकी मौत और शहादत शिया मुसलमानों के लिए एक महत्वपूर्ण नैतिक संदर्भ बिंदु है। इसीलिए इस्लामिक गणराज्य ईरान अपने सर्वोच्च नेता की अमेरिकी और इजराइली हमले में हुई मौत की तुलना उनसे करने की कोशिश कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालाँकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफ़िस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें । आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 जुलाई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी दोपहर 12:42 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा दोपहर 01:44 तक
योग : प्रीति सायं 05:00 तक
करण : बालव दोपहर 12:42 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विवेकानंद पुण्य, पंचक चालू हैं

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्पर्श 2026 : टच ए लाइफ फाउंडेशन का वार्षिक कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): टच ए लाइफ फाउंडेशन द्वारा अपने वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम स्पर्श 2026 का शानदार आयोजन किया गया। शैकपेट के फिल्म नगर स्थित जेआरसी कन्वेंशन में शुक्रवार को आयोजित इस गरिमामयी समारोह में वास्तविक कहानियों और उनके माध्यम से समाज में आए वास्तविक बदलावों का जश्न मनाया गया। इस प्रेरणाप्रद शाम ने एक बार फिर इस विश्वास को सुदृढ़ किया कि शिक्षा में जीवन को पूरी तरह से बदलने की अद्भुत शक्ति है।

इस विशेष कार्यक्रम में तेलंगाना के पूर्व आईटी मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव (केटीआर) ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ प्रसिद्ध अभिनेत्री और 'ब्लू क्रॉस ऑफ हैदराबाद' की संस्थापक अमला अक्किनेनी ने भी कार्यक्रम में अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा वॉक्सन यूनिवर्सिटी के उपाध्यक्ष डॉ. राउल विलामारिन रोड्रिगेज इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि (गेस्ट ऑफ ऑनर) के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के. टी. रामा राव (केटीआर), टच ए लाइफ फाउंडेशन की विभूति जैन और रीना हिंडोचा सहित संस्था से जुड़ी कई बालिकाओं और लाभार्थियों ने मंच साझा किया। उपस्थित अतिथियों ने समाज के वंचित वर्ग के बच्चों, विशेषकर बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि 'स्पर्श' केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह उन बच्चों के सपनों को उड़ान देने का जरिया है जो विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की बदौलत समाज में अपनी पहचान बना रहे हैं।

रेडलाइन 2026 में गूंजी सुपरकारों की दहाड़

हैदराबाद के पहले अंडरग्राउंड ऑटो शो में 120 करोड़ की कारें शामिल

हैदराबाद, 3 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में ऑटोमोबाइल के प्रति दीवानगी का एक असाधारण नजारा देखने को मिला, जब शहर के पहले अंडरग्राउंड सुपरकार शो रेडलाइन 2026 - ट्रैकरन हैदराबाद का आयोजन किया गया। इस अनूठे ऑटो शो में लगभग 60 विदेशी सुपरकार, लग्जरी गाड़ियाँ, हाई-परफॉर्मेंस वाहन और प्रीमियम मोटर साइकिलें शामिल हुईं, जिनकी कुल कीमत 120 करोड़ से अधिक आंकी गई है। शुक्रवार शाम खजगुड़ा स्थित एसएएस आईटॉवर में आयोजित इस पहले संस्करण ने 1,000 से अधिक ऑटोमोबाइल प्रेमियों, संग्राहकों (कलेक्टर्स), क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स को आकर्षित किया। पारंपरिक ऑटोमोबाइल प्रदर्शनियों से इतर, इस इवेंट की सबसे बड़ी खासियत इसका अनूठा वेन्यू (स्थान) रहा। इसे एक विशाल अंडरग्राउंड सेलर (तहखाने) के अंदर तैयार किया गया था, जिसने पूरे माहौल को एक जीवंत ऑटोमोटिव एरिना में बदल दिया। यहाँ सुपरकारों और प्रीमियम बाइक्स के प्रदर्शन के साथ-साथ लाइव ड्रिफ्टिंग का प्रदर्शन, गेमिंग ज़ोन, लाइव एंटरटेनमेंट और फूड स्टॉल्स लगाए गए थे। इसके अलावा, 200 से अधिक फिल्मों से जुड़े रहे अनुभवी स्टंट प्रोफेशनल इमरान (इमरान स्टंट एकेडमी) द्वारा किए गए हैरतअंगेज कार स्टंट और ड्रिफ्टिंग ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इस भव्य आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि यह पूरी तरह से युवाओं के नेतृत्व वाली एक अनूठी पहल थी। ओकरिज इंटरनेशनल स्कूल से हाल ही में 12वीं कक्षा पास करने वाली 17 वर्षीय स्नेहा जालान ने इस पूरे शो की परिकल्पना की थी। उनके साथ 20 से अधिक किशोरों की टीम ने एक रियल-वर्ल्ड इंटर्नशिप प्रोजेक्ट के रूप में इसकी पूरी प्लानिंग और एग्जीक्यूशन किया। इस अवसर पर स्नेहा जालान ने कहा, रेडलाइन सिर्फ एक कार प्रदर्शनी नहीं है। यह युवाओं के लिए इवेंट मैनेजमेंट, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, स्पॉन्सरशिप और टीम वर्क सीखने का एक बड़ा जरिया है। इस स्तर के आयोजन को धरातल पर उतारना हम सभी के लिए सीखने का एक अमूल्य अनुभव रहा है।

क्यूबेशन फाउंडेशन ने बालिका स्कूल को दीं 150 टेबल-कुर्सियां

सरस्वती प्रतिमा का भी अनावरण

बीकानेर, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो). शिक्षा में सामाजिक सहभागिता की मिसाल पेश करते हुए क्यूबेशन फाउंडेशन ने शुक्रवार को रघुनाथसर कुआं स्थित लक्ष्मी देवी दम्माणी राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 150 टेबल-कुर्सियां भेंट कीं। 3.50 लाख रुपये की लागत से उपलब्ध कराए गए इस फर्नीचर से छात्राओं को बेहतर माहौल में पढ़ाई का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं फाउंडेशन के संस्थापक, भामाशाह चन्द्रेश हर्ष ने कहा कि किसी भी विद्यालय की सबसे बड़ी पूंजी उसका समर्पित स्टाफ होता है। उन्होंने छात्राओं से गुरुजनों का सम्मान कर मन लगाकर पढ़ने का आह्वान किया और आश्वासन दिया कि भविष्य में भी विद्यालय को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जापानी शब्द 'क्यूबेशन' का अर्थ है ऐसा कार्य जिससे सबसे अधिक खुशी और प्रेरणा मिले। फाउंडेशन का उद्देश्य बालिका शिक्षा को मजबूत करना है।उप जिला शिक्षा अधिकारी अनिल बोड़ा ने भी विचार रखे। जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त उपनिदेशक विकास हर्ष ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही समाज और राष्ट्र का भविष्य मजबूत होगा।

प्रधानाचार्य विनोद कल्ला ने बताया कि फाउंडेशन से संपर्क करते ही तत्काल सहयोग मिला। वरिष्ठ उद्घोषक रविन्द्र हर्ष ने बताया कि चंचल हर्ष परिवार द्वारा पूर्व में हर्षों का चौक और बारह गुवाड़ के बालिका विद्यालयों में भी संसाधन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। अंत में शारीरिक शिक्षिका अनुराधा स्वामी ने काव्य प्रस्तुति से आभार जताया।इसी कार्यक्रम में समाज-सेवी चन्द्रेश हर्ष ने विद्यालय में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस प्रतिमा का निर्माण विद्यालय के उपप्राचार्य अरुण अरोड़ा व उनकी पत्नी दर्शना अरोड़ा ने अपने माता-पिता जगदीश राय अरोड़ा व सरस्वती देवी अरोड़ा की स्मृति में कराया है। हर्ष ने इस दौरान विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश अत्रे, प्रधानाचार्य राजीव पुरोहित, प्रेरक हर्षवर्धन हर्ष, उपप्राचार्य अरुण अरोड़ा, जयंती बिट्टू, अनीता राज, रफीक अहमद, कविता शर्मा, व्याख्याता रामचंद्र सारण, ज्योति आचार्य, सुमन चौधरी, नारायण दास, अनुपम, अजय भाटी, चांदनी स्वामी, दाऊ छंगाणी सहित विद्यालय स्टाफ व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अग्रवाल मानव सेवा के संस्थापक एवं समाज सेवी मुकुंद लाल अग्रवाल सपत्नी श्रीमति संतोष अग्रवाल द्वारा जियागुडा मंदिर की गौशाला में 3 जुलाई 2026 को सेवा प्रदान की गई जहाँ लगभग 30 गौमाताएं हैं तथा 3 नंदी महाराज हैं।

कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर पहुंचे जगित्याला एसपी अशोक, किए दर्शन

पेद्दापल्ली, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो). जगित्याला जिले के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार, आईपीएस ने शुक्रवार को अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में दर्शन किए। मंदिर पहुंचने पर परंपरा के अनुसार मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी, स्थानाचार्य कपिंदर और अन्य पुजारियों ने एसपी अशोक का भव्य स्वागत किया। एसपी अशोक ने परिवार सहित भगवान अंजनेयस्वामी की विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के बाद स्थानाचार्य कपिंदर ने वेद आशीर्वचन दिया और ईओ अंजना रेड्डी ने भगवान का प्रसाद व शेषवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर अधीक्षक सुनील, चंद्रशेखर, मल्ल्याल के सीआई और एसआई सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

पोचम्मा माता मंदिर में विग्रह प्राण प्रतिष्ठा सुरेखा प्रेमसागर राव ने दिए एक लाख

मंचेरियल, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो). नगर परिषद के 41वें डिवीजन स्थित एड्लावाड़ा क्षेत्र में नवनिर्मित श्री बावी पोचम्मा माता मंदिर में शुक्रवार को विग्रह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। मंचेरियल जिला कांग्रेस की पूर्व डीसीसी अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा प्रेमसागर राव ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के विकास एवं विस्तार कार्यों के लिए मंदिर समिति को एक लाख रुपये का सहयोग प्रदान किया। सुरेखा प्रेमसागर राव ने कहा, माता पोचम्मा से प्रार्थना है कि उनके आशीर्वाद से क्षेत्र के सभी किसान और विधानसभा क्षेत्र की जनता सुख, समृद्धि, आयु और उत्तम स्वास्थ्य के साथ जीवन व्यतीत करें। कार्यक्रम में महापौर धरनी मधुकर, उप महापौर सला रम्या महेश और अन्य पार्षद व श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महापौर मधुकर ने कहा कि एड्लावाड़ा क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए यह मंदिर विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव के आशीर्वाद तथा 41वें डिवीजन की पार्षद शेरू लक्ष्मी पवन के नेतृत्व में बनना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय पार्षद शेरू लक्ष्मी-पवन एवं मंदिर समिति के सदस्यों ने सुरेखा प्रेमसागर राव, महापौर मधुकर व उप महापौर सला रम्या महेश को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

विदेशों में नौकरी का सुनहरा मौका, टॉमकॉम के जरिए 20 तक करें आवेदन

पेद्दापल्ली, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो). जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने शुक्रवार को बताया कि तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी (टॉमकॉम) के माध्यम से विभिन्न देशों में रोजगार के इच्छुक योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई, 2026 है।

कलेक्टर ने बताया कि 18 से 40 वर्ष की आयु के उम्मीदवार इन पदों के लिए पात्र हैं। इच्छुक अभ्यर्थी एकीकृत कलेक्टर कार्यालय, कमरा नंबर 233, जिला रोजगार कार्यालय, पेद्दापल्ली में संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए ु.ीांले.ींशश्ररपसरपर.सीं.ळप वेबसाइट देख सकते हैं।

मतदाताओं के लिए विशेष सहायता केंद्र शुरू, नगर कार्यालय में मिलेगी वोट व बीएलओ की जानकारी

पेद्दापल्ली, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो). केंद्रीय चुनाव आयोग के विशेष सारांश पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए पेद्दापल्ली नगर कार्यालय में विशेष सहायता केंद्र स्थापित किया गया है।

आरडीओ गंगायाह ने शुक्रवार को बताया कि शहरी मतदाता इस केंद्र पर अपने वोट की स्थिति और अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मतदाताओं को केवल अपना मतदाता पहचान पत्र या ईपीआईसी नंबर साथ लाना होगा। केंद्र के कर्मचारी उन्हें सभी जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

आरडीओ ने सहायता केंद्र की स्थापना में सहयोग के लिए नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश का विशेष धन्यवाद किया। नगर आयुक्त ने सभी शहरी मतदाताओं से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश और नगर कार्यालय के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश में तेज रफ्तार लॉरी की टक्कर से ऑटो सवार चार लोगों की मौत

ओंगोल, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मार्कापुर जिला में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। हादसा कंभम कस्बा के बाहरी क्षेत्र में अमरावती0अनंतपुर राजमार्ग पर उस समय हुआ, जब सड़क किनारे खड़े एक ऑटो-रिक्शा को लॉरी ने पीछे से टक्कर मार दी।

पुलिस सर्किल निरीक्षक मल्लिकार्जुन ने बताया कि ऑटो में सवार 11 लोग विवाह समारोह में शामिल होने के लिए कंभम जा रहे थे। इसी दौरान अमरावती0अनंतपुर राजमार्ग पर विनायक मंदिर के सामने ऑटो सड़क किनारे रुका हुआ था, तभी नारियल से लदे एक तेज रफ्तार लॉरी ने ऑटो को टक्कर मार दी।जिससे आवुला अलकनंदा (19), आवुला अंकालू (20), आवुला नागेश (17) और आवुला नागेश्वरी (2) की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले चारों लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। मृतक और सभी घायल गिद्दलूर कस्बे के निवासी हैं। इस हादसे में दुल्हन वीरक्का समेत चार लोग घायल हो गये, जिन्हें जीजीएच में भर्ती कराया गया, जहां उनमें से दो की हालत गंभीर बतायी जा रही है। क्षेत्रीय पुलिस निरीक्षक ने बताया कि लॉरी चालक की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के बाद लॉरी चालक मौके से फरार हो गया।

परिवहन विभाग के मंत्री एम रामप्रसाद रेड्डी ने विवाह समारोह के चार लोगों की मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया। मंत्री ने शोक जताते हुए कहा कि शादी से कुछ घंटे पहले परिवार में इतनी बड़ी त्रासदी होना दिल दहला देने वाला है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें हर आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

फेंग शुई के स्वास्थ्य संबंधी उपाय

इस संसार में पैसा और हीरे जवाहरात इंसान को अच्छा स्वास्थ्य खरीद कर नही दे सकते। अच्छे स्वास्थ्य के बिना आप खुशियों का भरपूर आनंद नहीं ले सकते। व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो सब कुछ ठीक है। फेंगशुई में स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के लिए कई आसान उपाय बताये गये हैं। स्वस्थ व तंदरूस्त रहने के यह उपाय हैं।

1. अगर आप अपना स्वास्थ्य सुधारना चाहते हैं तो हमेशा अपनी निजी शुभ दिशा की ओर सिर करके सोएं। यह शुभ दिशा आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हैं।
2. शीशे की तरफ मुंह करके ना सोएं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके अलावा सोते समय सामने दर्पण या वाटर प्लांट, एक्वेरियम, झील और नदी की पेंटिंग नहीं होनी चाहिए।
3. उस कमरे में ना सोएं जिसके ऊपर टॉयलेट या वाशिंग मशीन स्थित हैं।
4. घर में लगे बीम के नीचे न सोएं क्योंकि यह सिरदर्द का कारण होता है।
5. एक लंबे गलियारे के अंत में स्थित कमरे में सोने से बचें या एक कमरा जिसका दरवाजा सीधे सीढियो की तरफ खुलता हैं। ऊर्जा का मजबूत प्रवाह कमरे में रहने वालों के लिए बीमारी लाने वाला साबित होगा।
6. कमरे के तेज किनारों और आगे को निकलने वाले कोनों को भी देखे जो कमरे में हानिकारक जहर के तीर भेजने का काम करते हैं।
7. अपने घर के पूर्वी भाग को विशेष रूप से ऊर्जावान बनाएं, क्योंकि यह क्षेत्र स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतिनिधित्व करता है।

जब भगवान शिव की हुई जलती लकडी से पिटाई

देवों में देव महादेव की कोई जलती लकड़ी से पिटाई करे ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता लेकिन, यह बात बिल्कुल सच है। बात कुछ 1360 ई. के आस-पास की है। उन दिनों बिहार के विस्फी गांव में एक कवि हुआ करते थे। कवि का नाम विद्यापति था। कवि होने के साथ-साथ विद्यापति भगवान शिव के अनन्य भक्त भी थे। इनकी भक्ति और रचनाओं से प्रसन्न होकर भगवान शिव को इनके घर नौकर बनकर रहने की इच्छा हुई।

भगवान शिव एक दिन एक जाहिल गंवार का वेष बनाकर विद्यापति के घर आ गये। विद्यापति को शिव जी ने अपना नाम उगना बताया। विद्यापति की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी अत: उन्होंने उगना को नौकरी पर रखने से मना कर दिया। लेकिन शिव जी मानने वाले कहां थे। सिर्फ दो वक्त के भोजन पर नौकरी करने के लिए तैयार हो गये। इस पर विद्यापति की पत्नी ने विद्यापति से उगना को नौकरी पर रखने के लिए कहा। पत्नी की बात मानकर विद्यापति ने उगना को नौकरी पर रख लिया।

एक दिन उगना विद्यापति के साथ राजा के दरबार में जा रहे थे। तेज गर्मी के वजह से विद्यापति का गला सूखने लगा। लेकिन आस-पास जल का कोई स्रोत नहीं था। विद्यापति ने उगना से कहा कि कहीं से जल का प्रबंध करो अन्यथा मैं प्यासा ही मर जाऊंगा। भगवान शिव कुछ दूर जाकर अपनी जटा खोलकर एक लोटा गंगा जल भर लाए।

विद्यापति ने जब जल पिया तो उन्हें गंगा जल का स्वाद लगा और वह आश्चर्य चकित हो उठे कि इस वन में जहां कहीं जल का स्रोत तक नहीं दिखता यह जल कहां से आया। वह भी ऐसा जल जिसका स्वाद गंगा जल के जैसा है। कवि विद्यापति उगना पर संदेह हो गया कि यह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं बल्कि स्वयं भगवान शिव हैं अत: उगना से उसका वास्तविक परिचय जानने के लिए जिद करने लगे।

जब विद्यापति ने उगना को शिव कहकर उनके चरण पकड़ लिये तब उगना को अपने वास्तविक स्वरूप में आना पड़ा। उगना के स्थान पर स्वयं भगवान शिव प्रकट हो गये। शिव ने विद्यापति से कहा कि मैं तुम्हारे साथ उगना बनकर रहना चाहता हूं लेकिन इस बात को कभी किसी से मेरा वास्तविक परिचय मत बताना।

विद्यापति को बिना मांगे संसार के ईश्वर का सानिध्य मिल चुका था। इन्होंने शिव की शर्त को मान लिया। लेकिन एक दिन विद्यापति की पत्नी सुशीला ने उगना को कोई काम दिया। उगना उस काम को ठीक से नहीं समझा और गलती कर बैठा। सुशीला इससे नाराज हो गयी और चूल्हे से जलती लकड़ी निकालकर लगी शिव जी की पिटाई करने। विद्यापति ने जब यह दृश्य देख तो अनायास ही उनके मुंह से निकल पड़ा 'ये साक्षात भगवान शिव हैं, इन्हें जलती लकड़ी से मार रही हो।' फिर क्या था, विद्यापति के मुंह से यह शब्द निकलते ही शिव वहां से अर्न्तध्यान हो गये।

इसके बाद तो विद्यापति पागलों की भांति उगना - उगना कहते हुए वनों में, खेतों में हर जगह उगना बने शिव को ढूंढने लगे। भक्त की ऐसी दशा देखकर शिव को दया आ गयी। भगवान शिव उगना के सामने प्रकट हो गये और कहा कि अब मैं तुम्हारे साथ नहीं रह सकता। उगना रूप में मैं जो तुम्हारे साथ रहा उसके प्रतीक चिन्ह के रूप में अब मैं शिव लिंग के रूप विराजमान रहूंगा। इसके बाद शिव अपने लोक लौट गये और उस स्थान पर शिव लिंग प्रकट हो गया। उगना महादेव का प्रसिद्ध मंदिर वर्तमान में मधुबनी जिला में भवानीपुर गांव में स्थित है।

जब संत ने दिया सुख का मंत्र

एक राजा था। वह बडा निडर और उदार था। उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी। एक दिन राजा एकांत में बैठा सोच रहा था। सोचते-सोचते वह गहराई में उतर गया। उसे लगा, इतनी सारी सुख-निधि पाकर भी आदमी दु:खी क्यों है। एक दिन उसने अपने दरबारियों को आज्ञा दी कि सबसे सुखी और तन्दुरूस्त आदमी को पकड कर लाओ। दरबारी और प्रजा हैरान। वे राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए बहुत भटके, पर राजा जैसा चाहता था, वैसा एक भी आदमी नहीं मिला। उन्होंने दरबार में आकर राजा से कहा, 'हे राजन इस धरती पर पूर्ण सुखी और स्वस्थ कोई भी इंसान नहीं है। किसी को कोई दुख है तो किसी को कोई।' सुनकर राजा स्तब्ध रह गया। फिर बोला, 'तो क्या मेरे राज्य में सब दुखी और बीमार हैं। इस धरती पर कोई भी सुखी नहीं है। नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जाओ, एक बार फिर खोजो।' दरबारी क्या करते! फिर निकले। घूमते-घूमते वे एक निर्जन और वीरान जंगल से गुजरे। देखा, एक संत ध्यान में लीन हैं। वे वहीं जाकर बैठ गए।

ध्यान खुलने पर संत ने पूछा, 'तुम लोग कौन हो। कहां से आए हो।' दरबारियों ने कहा, 'हम राजा की आज्ञा मानकर सबसे सुखी और स्वस्थ प्राणी को खोजने निकले हैं।' सुनकर संत बोले, 'क्या तुम्हें अब तक ऐसा कोई आदमी मिला है।' दरबारियों ने कहा, 'नहीं' इसके बाद साधु उनके साथ राजा के पास गए। राजा संत को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। संत ने कहा, 'राजन! तुम व्यर्थ ही परेशान होते हो। क्या तुम्हें पता है कि मनुष्य के ह्रदय में ही सुख का अपार भंडार भरा पडा है। जरा टटोलो तो अपने को। सुख की खोज में जैसे कस्तूरी मृग इधर-उधर भटकता है, वैसे ही तुम भटक रहे हो। सुख के लिए बाहर नहीं, भीतर देखना होता है।' राजा का ह्रदय पुलक उठा। उसकी समस्या हल हो गई। चूहा और गिलहरी एक था चूहा, एक थी गिलहरी। चूहा शरारती था। दिन भर 'चीं-चीं' करता हुआ मौज उड़ाता। गिलहरी भोली थी। 'टी-टी' करतीं हुई इधर-उधर घूमा करती।

संयोग से एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया। अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, 'मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में खूब जानते हैं। मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं।' मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बहुत बुरा लगा। बोली, 'भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं। यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है, तो इससे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते। इनका उपयोग करो तो जानूं। जहां तक मेरा सवाल है, मुझमें तुम सरीखा कोई गुण नहीं है।

मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस ये ही मेरी खास चीज है। जो दाना-पानी मिल जाता है, उसका कचरा साफ करके संतोष से खा लेती हूं।' चूहा बोला, 'तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है।' गिलहरी बोली, 'वाह! तुम्हें पता नहीं। आसपास दो काली धारियां हैं, उनके बीच में एक सफेद है। इनका मतलब है कि कठिनाइयों की परतों के बीच से ही असली सुख झांकता है। दो काली अंधेरी रातों के बीच में ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है।'

बाल भी बताते हैं व्यक्ति के गुण, स्वभाव और मनोवृति

बालों के रूप में मस्तिष्क के विचार भी प्रकट होते है। बालों को देखकर आप किसी व्यक्ति के गुण, स्वभाव और उसकी मनोवृति को आसानी से जान सकते हैं।

सीधे बाल वाले व्यक्ति स्पष्टवादी, सरल और खुले दिल के होते हैं। घुंघराले बाल वाले व्यक्तियों में निर्णय लेने की क्षमता का अभाव होता है। घुंघराले बाल वाले धैर्यहीन, संकोची और अस्थिर होते हैं। लहरदार बालों लोग मनमौजी, अतिक्रोधी, कर्मठ, कामुक, मतलबी और परिवर्तनशील होते हैं। ऐसे लोगों का मन हर क्षण बदलता रहता है।

रूखे बाल निम्नकोटि की मानसिक बौद्धिक क्षमता का प्रतिक हैं।

ऐसे लोग व्यवहार से कठोर और अल्पबुद्धि होते हैं। नरम एवं पतले बाल वाले मन से शुद्ध, सरल, भावुक, अबोध व निर्मल दिल के होते हैं। ऐसे व्यक्तियों का स्वभव बच्चों की तरह सरलहोता है।

ऐसे व्यक्ति उच्चा कोटी के कलाकार, दार्शनिक या समाज सेवक हो सकते हैं। मोटे बालों व्यक्ति में जीवनी शक्ति की प्रचुरता, कठोर परिश्रम करने वाले और धैर्यवान होते हैं। ऐसे व्यक्ति इरादे के पक्के और खान-पान के शौकीन होते हैं।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

कुशा: काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दका:। गोधूमा ब्राहमयो मौन्जा दश दभा : सबल्वजा:।।

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व

हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

जब श्रीकृष्ण पर लगा चोरी का आरोप

एक दिन सत्राजित भगवान सूर्य द्वारा प्रदत्त स्यमंतकमणि धारणकर श्रीकृष्ण से मिलने आए। मणि के प्रकाश को देखकर यदुवंशी बोले- 'हे कृष्ण, यह मणि तो राजा उग्रसेन जी को अच्छी लगेगी। अत: आप यह मणि लेकर राजा उग्रसेन को दे दें। श्रीकृष्ण ने भी हंसकर सत्राजित से कहा- 'सत्राजित, तुम यह मणि हमारे राजा को दे दो।' परंतु यह सुनकर सत्राजित सभा से उठकर चले गए।

घर पहुंचकर सत्राजित ने भाई प्रसेनजित को सारा प्रसंग कह सुनाया। प्रसेनजित मणि पहनकर शिकार खेलने के लिए जंगल में चले गए। जंगल में एक मृग का पीछा करते-करते प्रसेनजित एक ऐसी गुफा में पहुंच गए, जहां घोर अंधेरा था। गुफा में शेर रहता था। उस शेर ने प्रसेनजित पर हमला करके उसे मार दिया और मणि गुफा में ले गया। मणि के प्रभाव के कारण गुफा सूर्य की तरह जगमगा उठी।

वहीं जामवंत निवास कर रहे थे। जब उन्हें गुफा में मणि होने की बात पता चली, तो उन्होंने शेर को मारकर मणि प्राप्त कर ली और मणि को अपनी बेटी के पालने से बांध दिया। उधर प्रसेनजित के साथ जो लोग शिकार खेलने गए थे, उन्होंने लौटकर सत्राजित को प्रसेनजित के लापता होने का हाल कह सुनाया। सत्राजित का शक सीधा श्रीकृष्ण पर गया कि मणि न देने पर उन्होंने ही उनके भाई को मारा है।

भाई के शोक में सत्राजित को उदास देखकर उनकी पत्नी ने पूछा, तो सत्राजित ने अपने मन की बात पत्नी को बता दी। सत्राजित की पत्नी ने यह बात अपनी पड़ोसन से कह दी। पड़ोसन से यह बात आगे फैलने लगी। फैलते-फैलते यह बात भगवान श्रीकृष्ण तक भी पहुंच गई। तब श्रीकृष्ण ने स्वयं पर लगा यह लांछन दूर करने के लिए प्रण किया कि वह सारा भेद स्पष्ट करेंगे तथा मणि को वापस लेकर आएंगे।

वह दल-बल सहित मणि की तलाश में निकल पड़े। रास्ते में उन्हें घोड़े के पैरों के चिह्न दिखाई दिए।

आगे जाने पर घोड़े व प्रसेनजित का शव भी मिल गया। वहीं पर सिंह के पैरों के निशान देखकर सबने अंदेशा जताया कि यह सब सिंह ने किया है। सिंह के पैरों के निशानों के पीछे-पीछे श्रीकृष्ण गुफा में चले गए। वहां पर सिंह भी मरा मिला, परंतु मणि नहीं मिली।

श्रीकृष्ण गुफा में भीतर पहुंचे तो जामवंत की पत्नी डरकर चिल्लाने लगी। फिर जामवंत व श्रीकृष्ण में घोर युद्ध हुआ। जब जामवंत श्रीकृष्ण को पराजित न कर पाए, तो उन्होंने मन ही मन प्रभु श्रीराम का स्मरण किया।

भगवान श्रीकृष्ण ने जामवंत को श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए। भगवान के दर्शन करके वह धन्य हुए तथा उन्होंने मणि व अपनी पुत्री श्रीकृष्ण को सौंपकर उनसे क्षमा मांगी। श्रीकृष्ण ने वह स्यमंतकमणि सत्राजित को वापस करके स्वयं पर लगा कलंक धोया।

घर में शांति के लिए रखें गुलदस्ता

बदलते दौर में वास्तु का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। आजकल कई बड़े-बड़े बिल्डर व इंटीरियर डेकोरेटर भी घर बनाते व सजाते समय वास्तु का विशेष ध्यान रखते हैं। वास्तु के अनुसार ही वे कमरे की बनावट, उनमें सामान की साज-सज्जा करते हैं। इससे घर की खूबसूरती बढ़ने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रवाह होता है। वास्तु के अनुसार घर की सजावट करते समय निम्न बातों का ध्यान रखें—

- घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक अथवा ॐ की आकृति लगाने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।
- जिस भूखंड या मकान पर मंदिर की पीठ पड़ती है, वहां रहने वाले आए-दिन आर्थिक व शारीरिक परेशानियों में घिरते रहते हैं।

- समृद्धि की प्राप्ति के लिए नॉर्थ-ईस्ट दिशा में पानी का कलश अवश्य रखना चाहिए।
- घर में ऊर्जामय वातावरण बनाने में सूर्य की रोशनी का विशेष महत्व होता है, इसलिए घर की आंतरिक साज-सज्जा ऐसी होनी चाहिए कि सूर्य की रोशनी घर में पर्याप्त रूप में प्रवेश करे।
- घर में कलह अथवा अशांति का वातावरण हो, तो ड्राइंग रूम में फूलों का गुलदस्ता रखना अच्छा रहता है।
- अशुद्ध वस्त्रों को घर के प्रवेश द्वार के मध्य में नहीं रखना चाहिए।
- वास्तु के अनुसार रसोईघर में देवस्थान नहीं होना चाहिए।
- गृहस्थ के बेडरूम में भगवान के चित्र अथवा धार्मिक महत्व की वस्तुएं नहीं लगी होनी चाहिएं।
- घर में देवस्थान की दीवार से शौचालय की दीवार का संपर्क नहीं होना चाहिए।

बारिश में आंखों के इंफेक्शन से बचना हैं तो

जरूर बरतें ये सावधानियां

बारिश के मौसम का मजा लेते समय अपनी आंखों का ध्यान रखना कभी न भूलें क्योंकि इस मौसम में जलवायु संक्रमित सूक्ष्मजीवों को प्रोत्साहित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साफ तौलियों का उपयोग कर कंजक्टिवाइटिस, आंखों में गंदगी, सूखापन और कॉर्नियल अल्सर जैसे संक्रमणों से बचना जरूरी है।

ओजोन ग्रुप की मेडिकल कंसल्टेंट उमा सिंह, डॉक्सऐप के मेडिकल ऑपरेशंस के प्रमुख गोवरी कुलकर्णी, जैपलेल में क्रिएटिव हेड शैलजा मित्तल ने आंखों की समस्याओं से बचने के तरीके सूचीबद्ध किए हैं।

» अधिकांश आंखों के रोग आंखों के हाथ से संपर्क में आने पर होते हैं। इसलिए संक्रमण को कम करने या रोकने के लिए आंखों को छूने से पहले हाथ धो लें।

» अपनी आंखों को रगड़ने से बचें क्योंकि संक्रमण के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसकी बजाए, आंखों के आंसू या गंदगी साफ करने के लिए डिस्पोजेबल टिश्यूज का प्रयोग करें।

» बारिश में भीगने से बचें। हमेशा बारिश से बचने के लिए रेनकोट पहनें।

» अगर आपको में जलन हो, लाल हो या फिर आंखों से पानी गिर रहा हो तो कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

» आंखों के आसपास ऐसे मेकअप प्रोडक्ट का यूज न करे जो कि एक्सपायर हो गए हों।

» अपने पर्सनल प्रोडक्ट किसी और से शेयर न करें। रूमाल, सनग्लासेस और कॉन्टेक्ट लेंस को किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें अत्यधिक संक्रामक संक्रमण हो सकते हैं।

बारिश के मौसम का मजा लेते समय अपनी आंखों का ध्यान रखना कभी न भूलें क्योंकि इस मौसम में जलवायु संक्रमित सूक्ष्मजीवों को प्रोत्साहित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साफ तौलियों का उपयोग कर कंजक्टिवाइटिस, आंखों में गंदगी, सूखापन और कॉर्नियल अल्सर जैसे संक्रमणों से बचना जरूरी है। ओजोन ग्रुप की मेडिकल कंसल्टेंट उमा सिंह, डॉक्सऐप के मेडिकल ऑपरेशंस के प्रमुख गोवरी कुलकर्णी, जैपलेल में क्रिएटिव हेड शैलजा मित्तल ने आंखों की समस्याओं से बचने के तरीके सूचीबद्ध किए हैं।

» अधिकांश आंखों के रोग आंखों के हाथ से संपर्क में आने पर होते हैं। इसलिए संक्रमण को कम करने या रोकने के लिए आंखों को छूने से पहले हाथ धो लें।

» अपनी आंखों को रगड़ने से बचें क्योंकि संक्रमण के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसकी बजाए, आंखों के आंसू या गंदगी साफ करने के लिए डिस्पोजेबल टिश्यूज का प्रयोग करें।

» बारिश में भीगने से बचें। हमेशा बारिश से बचने के लिए रेनकोट पहनें।

» अगर आपको में जलन हो, लाल हो या फिर आंखों से पानी गिर रहा हो तो कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

» आंखों के आसपास ऐसे मेकअप प्रोडक्ट का यूज न करे जो कि एक्सपायर हो गए हों।

» अपने पर्सनल प्रोडक्ट किसी और से शेयर न करें। रूमाल, सनग्लासेस और कॉन्टेक्ट लेंस को किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें अत्यधिक संक्रामक संक्रमण हो सकते हैं।

कपड़े और फुटवियर ही नहीं पर्स भी मैचिंग हो तभी बनेगी बात

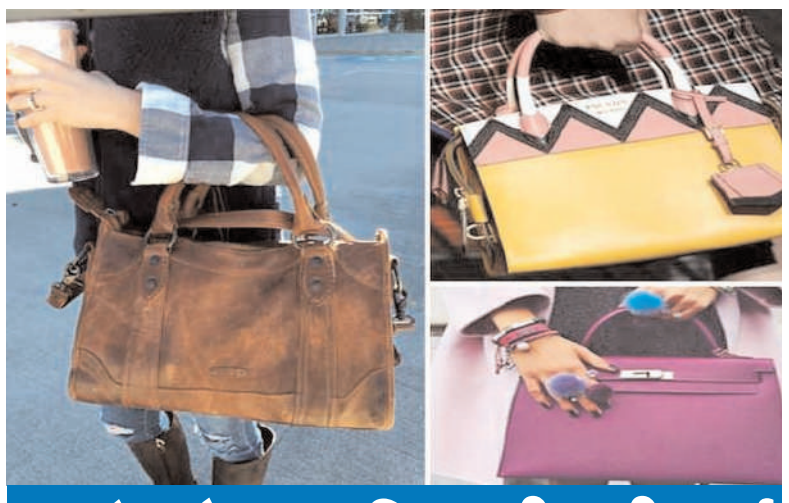

महिलाएं और लड़कियां चाहे जितनी भी खूबसूरत हों उनकी असली खूबसूरती श्रृंगार के बाद ही निखरती है। इसके लिए जितना संभव हो, वे सजती संवरती हैं। लेकिन सुंदर परिधान, मेकअप और गहनों के साथ मैचिंग पर्स न हो तो सारी खूबसूरती धरी रह जाती है। पर्स या बैग आज के युग में सिर्फ सुंदर दिखने का जारिया ही नहीं स्टेटस सिंबल भी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला चाहे हाउस वाइफ हो या कामकाजी या स्कूल-कॉलेज जाने वाली, पर्स या हैंड बैग उनके फैशन के साथ-साथ आम जरूरतों को भी पूरा करने के लिए आवश्यक है।

जिस तरह कॉलेज की लड़कियों और कामकाजी महिलाओं के लिए गहने, वस्त्र, सैंडिल आदि जरूरी हैं, उसी तरह हैंड बैग और पर्स भी उनके लिए बेहद जरूरी हैं। इससे व्यक्तित्व को एक अलग लुक तो मिलता ही है, साथ ही रोजमर्रा में इस्तेमाल की जाने वाली छोटी-छोटी चीजों को भी संभाल कर इसमें आसानी से रखा जाता है। इसके अलावा यह उन्हें आधुनिक फैशन की कतार में भी खड़ा करता है। इसलिए जब भी आप पर्स या हैंड बैग खरीदने जाएं तब फैशन के अनुसार उनके चलन, उपयोगिता, डिजाइन और दूसरे उद्देश्य को ध्यान में रखकर खरीदें।

अगर आप कॉलेज जाती हैं और कामकाज से वास्ता रखती हैं, तो निश्चित ही आपको इस तरह के पर्स की आवश्यकता होगी, जिसमें आपके उपयोग का सारा सामान आसानी से आ सके। लेकिन इसके बावजूद इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी हाल में आप का पर्स बड़ा नहीं हो। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखें कि उसमें बहुत सारे खाने हों, जिससे आप अपनी जरूरतों का सामान अलग-अलग खाने में रख सकें, ताकि जरूरत पड़ने पर हर सामान आसानी से निकाल सकें। इसके लिए कैनवास और चमड़े के ऐसे कई बैग बाजार में उपलब्ध हैं जिसमें काफी समान रखा जा सकता है।

पर्स या बैग खरीदते वक्त इन बातों का खास ध्यान रखें। सबसे पहले तो पर्स का रंग, डिजाइन और आकार आपकी पसंद का हो, साथ ही कीमत का ध्यान भी रखें। पर्स का सही आकार का न होना आपकी शाख्सियत को प्रभावित करता है। अगर आप लंबी हैं तो बड़ा पर्स आपके व्यक्तित्व से मेल खाता है। आप कंधे पर लटकाने वाला बैग भी ले सकती हैं। अगर आप छोटे कद की महिला हैं तो बड़े साइज के पर्स या बैग हरगिज नहीं लें। छोटे कद की महिलाओं के लिए छोटे पर्स अच्छे और उनके व्यक्तित्व में निखार लाने वाले होते हैं।

आजकल जूट, रैगजीन, फाइबर और नायलॉन के बने पर्स हर वर्ग की महिलाओं की पहली पसंद हैं। शाम के समय सैर पर जाने या पार्टी वगैरह में जाने के लिए आप अलग तरह के फैंसी पर्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको कई तरह के डिजाइन, सुनहरे और रूपहले काम के, कढ़ाई वाले मोतियों के काम के तथा सुनहरी चैन वाले पर्स बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। ये पर्स अधिक बड़े नहीं होने चाहिए। केवल इतने ही बड़े हों कि आपके जरूरतों को पूरा कर सकें।

महिलाएं और लड़कियां चाहे जितनी भी खूबसूरत हों उनकी असली खूबसूरती श्रृंगार के बाद ही निखरती है। इसके लिए जितना संभव हो, वे सजती संवरती हैं। लेकिन सुंदर परिधान, मेकअप और गहनों के साथ मैचिंग पर्स न हो तो सारी खूबसूरती धरी रह जाती है। पर्स या बैग आज के युग में सिर्फ सुंदर दिखने का जारिया ही नहीं स्टेटस सिंबल भी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला चाहे हाउस वाइफ हो या कामकाजी या स्कूल-कॉलेज जाने वाली, पर्स या हैंड बैग उनके फैशन के साथ-साथ आम जरूरतों को भी पूरा करने के लिए आवश्यक है। जिस तरह कॉलेज की लड़कियों और कामकाजी महिलाओं के लिए गहने, वस्त्र, सैंडिल आदि जरूरी हैं, उसी तरह हैंड बैग और पर्स भी उनके लिए बेहद जरूरी हैं। इससे व्यक्तित्व को एक अलग लुक तो मिलता ही है, साथ ही रोजमर्रा में इस्तेमाल की जाने वाली छोटी-छोटी चीजों को भी संभाल कर इसमें आसानी से रखा जाता है। इसके अलावा यह उन्हें आधुनिक फैशन की कतार में भी खड़ा करता है। इसलिए जब भी आप पर्स या हैंड बैग खरीदने जाएं तब फैशन के अनुसार उनके चलन, उपयोगिता, डिजाइन और दूसरे उद्देश्य को ध्यान में रखकर खरीदें। अगर आप कॉलेज जाती हैं और कामकाज से वास्ता रखती हैं, तो निश्चित ही आपको इस तरह के पर्स की आवश्यकता होगी, जिसमें आपके उपयोग का सारा सामान आसानी से आ सके। लेकिन इसके बावजूद इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी हाल में आप का पर्स बड़ा नहीं हो। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखें कि उसमें बहुत सारे खाने हों, जिससे आप अपनी जरूरतों का सामान अलग-अलग खाने में रख सकें, ताकि जरूरत पड़ने पर हर सामान आसानी से निकाल सकें। इसके लिए कैनवास और चमड़े के ऐसे कई बैग बाजार में उपलब्ध हैं जिसमें काफी समान रखा जा सकता है। पर्स या बैग खरीदते वक्त इन बातों का खास ध्यान रखें। सबसे पहले तो पर्स का रंग, डिजाइन और आकार आपकी पसंद का हो, साथ ही कीमत का ध्यान भी रखें। पर्स का सही आकार का न होना आपकी शाख्सियत को प्रभावित करता है। अगर आप लंबी हैं तो बड़ा पर्स आपके व्यक्तित्व से मेल खाता है। आप कंधे पर लटकाने वाला बैग भी ले सकती हैं। अगर आप छोटे कद की महिला हैं तो बड़े साइज के पर्स या बैग हरगिज नहीं लें। छोटे कद की महिलाओं के लिए छोटे पर्स अच्छे और उनके व्यक्तित्व में निखार लाने वाले होते हैं। आजकल जूट, रैगजीन, फाइबर और नायलॉन के बने पर्स हर वर्ग की महिलाओं की पहली पसंद हैं। शाम के समय सैर पर जाने या पार्टी वगैरह में जाने के लिए आप अलग तरह के फैंसी पर्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको कई तरह के डिजाइन, सुनहरे और रूपहले काम के, कढ़ाई वाले मोतियों के काम के तथा सुनहरी चैन वाले पर्स बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। ये पर्स अधिक बड़े नहीं होने चाहिए। केवल इतने ही बड़े हों कि आपके जरूरतों को पूरा कर सकें।

सुझाव

सुंदर ही नहीं सेहतमंद भी बनाती है बिंदी

आमतौर पर महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए माथे पर बिंदी लगाती है, लेकिन आप जानती हैं कि माथे की बिंदी आपकी खूबसूरती बढ़ाने के साथ हेल्थ का भी ख्याल रखती है। शायद आपको इस बात को सुनकर आश्चर्य हो रहा होगा । लेकिन यह सच है आइए हम आपको बताते हैं कि बिंदी कैसे आपके सेहत की देखभाल करते हैं। भौंहों को बीच का ये हिस्सा बेहद संवेदनशील होता है। तनाव होने पर सबसे पहले हमारा यही हिस्सा दर्द करने लगता है। और बिंदी तनाव को कम करने में मदद करती है। बिंदी को भौंहों के बीच में लगाते हैं और यहां पर शरीर की सभी नसें एक साथ मिलती है। इसे अग्नि चक्र कहा जाता है। अगर आप बिंदी लगाती है तो आपका मन शांत रहता है और तनाव भी कम महसूस होता है।

झुर्रियां कम आती है

बिंदी लगाने से चेहरे के मसल्स में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है इससे मसल्स लचीले और मजबूत होते हैं और झुर्रियां कम आती हैं। इसलिए अगर आपको झुर्रियां आने शुरु हो गई है तो आपको आज से ही बिंदी लगाना शुरु कर दें।

अनिद्रा से बचाएं

अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती है, तो आपके लिए बिंदी लगाना काफी फायदेमंद होगी। बिंदी लगाने से शरीर का ऊपरी भाग यानी चेहरा, गर्दन और पीठ के मसल्स को आराम मिलता है। जिससे अनिद्रा की समस्या दूर होती है।

साइनस से आराम

बिंदी साइनस की समस्या को दूर करने में भी मदद करती है। इस जगह की मसाज होने से ब्लड सर्कुलेशन नाक के आस-पास अच्छी तरह से होने लगता है, जिससे साइनस के कारण होने वाले सूजन कम होती है और नाक खुली जाती है। इससे आपको बहुत आराम महसूस होता है।

आंखों और कानों के लिए बेहतर

आई मसल्स को मजबूत बनाने में बिंदी खूब काम आती है। बिंदी को माथे के बीचों-बीच लगाया जाता है और इस जगह की नसें और आंखों की नसों का आपस में गहरा कनेक्शन होता है। जो अगल-बगल देखने और स्पष्ट देखने में मदद करती हैं। इसके अलावा जो नस चेहरे के मसल्स को उत्तेजित करती है । वह कानों के भीतर की मसल्स से मजबूत करके कान को स्वस्थ रखने में मदद करती है। तो क्यों न सेहत से जुड़े इतने फायदों को देखते हुए आज से ही ट्रेडिशन लुक के साथ-साथ वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ भी बिंदी को लगाया जाये।

इन तरीकों से सजाएं अपना लिविंग रुम

लिविंग रुम घर का सबसे खास हिस्सा माना जाता है। यहां परिवार के सभी सदस्य बैठ कर समय बिता सकते हैं। ऐसे में अगर इसकी सजावट अच्छी हो तो महौल भी अच्छा बन जाता है। आप भी अपने लिविंग रूम को खास बनाना चाहते हैं तो इन टिप्स को आपनाएं।

1. दीवारें सजाएं

दीवारों को आप लाइट और डार्क कंबीनेशन के साथ पेंट करवाएं। आप इन पर आर्ट वर्क भी करवा सकते हैं। इससे रुम की लुक अच्छी आएगी।

2. कॉर्नर

लिविंग रूम के हर एक कोने को अच्छे से इस्तेमाल करें। आप कोनों पर कुर्सियां भी लगा सकते हैं।

3. सामान समेंट कर रखें

कमरे की सफाई अच्छे से करें और समान को यहां-वहां न बिखरा रहने दें। बच्चों के खिलौने,चाबिया,अखबारें,जूते और बाकी का छोटा-छोटा सामान इस्तेमाल करने के बाद जगह पर रख दें।

4. रोशनी का करें इंतजाम

अगर कमरे में अंधेरा लगता है तो इस कमी को पूरा करने के लिए लाइटिंग की जरूरत है। आप डीजाइनर लैंप के साथ भी इस रूम को सजा सकते हैं। इससे रोशनी भी बढ़ जाएगी और लुक भी अच्छी आएगी।

सिगरेट नहीं छोड़ रही पीछा तो खाने शुरू करें ये आहार

स्मोकिंग की बुरी लत आजकल हर 5 में से 3 युवाओं में देखी जाती है। एक बार अगर यह बुरी आदत लग जाए तो छूटनी मुश्किल हो जाती है लेकिन वह इससे होने वाले नुकसान से अंजान है। इससे शरीर को बहुत नुकसान भुगतना पड़ सकता है। इस लत से छुटकारा पाने के लिए अपने आहार में इन चीजों को शामिल करके फायदा मिल सकता है।

1. ओट्स

ओट्स बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसको खाने से शरीर की चर्बी कम होने के साथ-साथ सिगरेट पीने की आदत को भी दूर हो जाती है। दिन में एक या दो बार इसका सेवन करने से सिगरेट पीने की लत से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में होता है जो शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने का काम करते हैं। इसके साथ खूब सारा पानी पीएं। धीरे-धीरे सिगरेट पीने की आदत छूट जाएगी।

2. शहद

शहद भी बहुत लाभकारी होता हैं। इसमें प्रोटीन, विटामिन की मात्रा अधिक पाई जाती हैं। ऑर्गेनिक हनी का रोजाना 1 चम्मच खाने से फायदा मिलेगा।

3. मूली

मूली का सेवन करने से भी धूम्रपान से दूर रहा जा सकता है। इसे सलाद और सब्जी के रूप में भी खाया जा सकता है। यह चेन स्मोकर्स के लिए बहुत लाभकारी है।

4. मुलेठी

मुलेठी का प्रयोग खांसी जैसे रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता हैं पर इसके अलावा सिगरेट पीने वालों के लिए यह वरदान हैं। मुलेठी के टुकड़े को मुंह में डालकर चूसने से स्मोकिंग की इच्छा कम हो जाती है। दिन में 1-2 बार मुलेठी का इस्तेमाल जरूर करें।

5. पानी

पानी शरीर के लिए बहुत ही गुणकारी होता हैं। इसको पीने से स्किन में चमक आती हैं, विषैले पदार्थ यूरिन के द्वारा बॉडी से बाहर निकल जाते हैं। हर रोज कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पीएं। इससे धूम्रपान की आदत छूटने लगती है।

रेसिपी

मिकस्ड वेजिटेबल्स

सामग्री

पीसकर मुलायम पेस्ट बनाने के लिए,1 कप कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया,8 हरी मिर्चे , कटी हुई, 12 लहसुन की कलियां, 4 टी-स्पून ज़ीरा, 4 इलायची, 5 लौंग, 25mm. (1) अदरक का टुकड़ा, 1/2 कप पानी, **अन्य सामग्री,** 3 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जियां (गाजर , फण्सी और हरे मटर), 4 टेबल-स्पून तेल, 4 टेबल-स्पून कटे हुए काजू, नमक स्वादअनुसार, 3/4 कप दुध, 4 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम, 2 चुटकी शक्कर

विधि

गहरी कढ़ाई मे तेल गरम करें, काजू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या काजू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर रख दें। उसी तेल में तैयार किया हुआ पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भूने। मिली-जुली सब्जियां, नमक, दुध, क्रीम, शक्कर और तले हुए काजू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाएं। तुरंत परोसें।

स्पिनॅच एण्ड चीज स्टफ्ड क्रैप्स

सामग्री

क्रैप्स् के लिए, 1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 कप मैदा, 1/4 कप दूध, 1 1/2 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्खन, नमक स्वादअनुसार, मक्खन , चुपड़ने और पकाने के लिए, स्पिनॅच एण्ड चीज भरवां मिश्रण के लिए, 1 कप बारीक कटा हुआ पालक, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, 2 टी-स्पून मक्खन, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1/4 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादअनुसार

विधि

क्रैप्स् के लिए: सभी सामग्री को लगभग 3/4 कप पानी के साथ एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिलाकर मुलायम घोल बना लें। एक 100 मिमी (4) व्यास के नॉन-स्टिक पैन को थोड़े मक्खन से चुपड़ लें, 1/4 कप घोल डालकर, पैन को तुरंत गोल घुमा लें जिससे पैन में घोल अच्छी तरह फैल जाए। क्रैप को दोनो तरफ से, थोड़े मक्खन का प्रयोग कर लगभग 30 सेकेन्ड तक पका लें। बचे हुए घोल का प्रयोग कर 4 और क्रैप्स् बना लें। एक तरफ रख दें।

स्पिनॅच एण्ड चीज़ भरवां मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और लहसुन डालकर, मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। पालक, टमाटर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट तक पका लें। चीज़ डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 5 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: क्रैप को समतल सूखी जगह पर रखें।

स्पिनॅच एण्ड चीज़ भरवां मिश्रण को क्रैड के बीच रखकर अच्छी तरह रोल कर लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

ये पाकिस्तान के पैरोकार

भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? राजनयिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, पेशेवर रिश्ते क्यों बहाल करे? एक आतंकिस्तान देश को सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के जरिए मुहब्बत का इजहार करना चाहिए? जो 117 चेहरे आज पाकिस्तान की पैरवी कर रहे हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? क्या वे पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' की कुर्बानी भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाकपरस्त शैतानों और हत्यारों की साजिशें भी भूल गए? क्या इन पैरोकारों ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? इस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को मुहैया करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की बहाली के बाद सरहदों पर तनाव ठहर जाएगा? सीमापार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? सांप की फितरत बदली है कभी? जिन 117 लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और कथित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिख कर भारत-पाक संवाद और बेहतर, कारगर संबंधों की गुहार की है, उनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर गुहार की थी कि मोदी सरकार हटाने में मदद करें। यह नवंबर, 2015 का वाकया है। दोनों कथित कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। अब पैरोकारों की सूची में शामिल हैं, तो वह बिल्कुल बेमानी है। खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुल्लत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की रूह तक से वाकिफ हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। ओपी शाह, मनोज झा, जवाहर सरकार आदि कितने बड़े कूटनीतिज्ञ हैं, यह हम नहीं जानते, लेकिन सूची में जो 61 नाम भारतीयों के हैं, वे यकीनन प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर विरोधी हैं और पाकपरस्त चेहरे हैं। आज उन्हें कौन पूछता है? क्या प्रासंगिकता है इनकी? क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? उनके अड्डे खत्म किए जाएं। हुकूमत और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें 'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। दरअसल आतंकवाद का जिक्र जब भी होता है, तो ये पैरोकार हकलाने लगते हैं या गाली की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अरे, पाकिस्तान के मंत्री धमकी दे रहे हैं कि हमने 130 परमाणु हथियार भारत के लिए रखे हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। एक नापाक मंत्री ने यहां तक कह दिया कि पानी को हाथ लगाया, तो हाथ तोड़ देंगे। पाकिस्तान के कथित उपप्रधानमंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? बहरहाल ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की हुकूमत से भारत बात करेगा! क्यों करेगा? क्या ये 117 'रिटायर्ड चेहरे' भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40,000 से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? औरतों की आबरू, अस्मत लूटी है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी रिश्ते बेहतर चाहते हैं? अवाम को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल-सब्जी भी मयस्सर नहीं है। क्या ऐसे अवाम को भयानक, कुरूप यथार्थों की पूरी जानकारी है? पाकिस्तान पहले बलूचिस्तान, खैबर, कथित आजाद कश्मीर में तो हालात शांत करे। वहां नापाक फौज अवाम को सरेआम गोलियों से भून रही है। अवाम विद्रोह पर है और सडक़ों पर आंदोलित है। जिसका अपना घर विभाजित है, टुकड़े-टुकड़े है, उससे भारत क्या बात करेगा और उससे क्या हासिल होगा? पैरोकारों को एक-दूसरे के फॉर्म हाउस में पार्टी करनी है और बिरयानी का लुत्फ उठाना है, तो वे स्वतंत्र हैं। भारत किसी आतंकिस्तान के साथ बातचीत नहीं करेगा।

> आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? इस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को मुहैया करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की बहाली के बाद सरहदों पर तनाव ठहर जाएगा? सीमापार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? सांप की फितरत बदली है कभी? जिन 117 लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और कथित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिख कर भारत-पाक संवाद और बेहतर, कारगर संबंधों की गुहार की है, उनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर गुहार की थी कि मोदी सरकार हटाने में मदद करें।

जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती

मजबूत लोकतंत्र के लिये दागी नेताओं से मुक्ति जरूरी

ललित गर्ग:

> आज भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। किंतु यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास में नहीं, बल्कि उसकी राजनीति और शासन व्यवस्था की नैतिकता में निहित होती है। यदि लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना है तो राजनीति को अपराध, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की गिरफ्त से मुक्त करना ही होगा। आजादी के बाद से लगभग हर सरकार ने भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, पारदर्शी प्रशासन और स्वच्छ राजनीति का वादा किया।

भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। किंतु यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास में नहीं, बल्कि उसकी राजनीति और शासन व्यवस्था की नैतिकता में निहित होती है। यदि लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना है तो राजनीति को अपराध, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की गिरफ्त से मुक्त करना ही होगा। आजादी के बाद से लगभग हर सरकार ने भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, पारदर्शी प्रशासन और स्वच्छ राजनीति का वादा किया। अनेक आयोग बने, कानून बने और चुनाव सुधारों की चर्चाएं भी हुईं, लेकिन जब भी कोई ठोस एवं प्रभावी सुधार लागू करने का प्रयास हुआ, राजनीतिक दलों ने अपने-अपने हितों के अनुसार उसका समर्थन अथवा विरोध किया। परिणाम यह हुआ कि राजनीतिक शुचिता का प्रश्न आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, जिससे सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। यह और बड़ी विडम्बना है कि जिस विषय पर पूरे राष्ट्र की सहमति होनी चाहिए, वही विषय राजनीतिक टकराव का माध्यम बन जाता है। आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी संदर्भ में भाजपा सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पाँच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था। निश्चित ही संसद और विधानसभाओं में

आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि कोई जनप्रतिनिधि हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद अथवा संगठित अपराध जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में है, तो क्या वह जनता का प्रतिनिधित्व करने का नैतिक अधिकार बनाए रखता है? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिकता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। हालांकि इस प्रकार के कानून पर कई संवैधानिक प्रश्न भी उठते हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को तब तक निर्दोष मानता है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए। केवल आरोप के आधार पर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाना राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार भी बन सकता है। विपक्षी दलों की यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती कि यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं होंगे तो सत्ता में बैठी सरकारें विरोधियों के विरुद्ध जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर सकती हैं। इसलिए किसी भी नए कानून में प्राकृतिक न्याय, न्यायिक समीक्षा और निष्पक्ष जांच की सुदृढ़ व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। लेकिन इन आशंकाओं के कारण सुधार की पूरी प्रक्रिया को रोक देना भी उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में सुधार का अर्थ किसी दल को लाभ या हानि पहुंचाना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करना है। यदि कानून संतुलित, पारदर्शी और न्यायसंगत हो तो वह लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि अधिक विश्वसनीय बनाता है। भारत की राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाए। बिहार में लालू प्रसाद यादव से लेकर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तथा उनके कुछ मंत्रियों तक, विभिन्न राजनीतिक दलों के अनेक नेता ऐसे रहे हैं जो गंभीर आरोपों अथवा जेल में रहने के बावजूद सत्ता पर बने रहने का प्रयास करते रहे। यह किसी एक दल का प्रश्न नहीं है, लगभग सभी बड़े राजनीतिक दल समय-समय पर इस आलोचना के घेरे में रहे हैं। जेल से सरकार चलाने अथवा संवैधानिक पद पर बने रहने की मानसिकता लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। यह सही है कि कानून अपना कार्य करेगा और न्यायालय अंतिम निर्णय देगा, किंतु सार्वजनिक जीवन केवल कानूनी वैधता से नहीं चलता, उसका आधार नैतिक वैधता भी होती है।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि आदर्शों का भी प्रतीक होता है। यदि उसके ऊपर गंभीर आरोप हों और वह फिर भी पद से चिपका रहे, तो जनता का लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है। राजनीति में पद त्यागना पराजय नहीं, बल्कि नैतिक साहस का परिचायक होता है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसमें आर्थिक प्रगति के साथ सुशासन, डिजिटल पारदर्शिता, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, एक्सप्रेस-वे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेज आर्थिक विकास से नहीं बनेगा, वह तभी बनेगा जब शासन चलाने वाले व्यक्तियों की विश्वसनीयता भी उतनी ही मजबूत होगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की राजनीति भी विश्व के लिए आदर्श बननी चाहिए। आज आवश्यकता केवल कानून बदलने की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति बदलने की भी है। राजनीतिक दलों को चुनावी टिकट देते समय उम्मीदवार के चरित्र, सार्वजनिक जीवन, सामाजिक सेवा और नैतिक छवि को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय कई बार राजनीतिक दलों से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करने को कह चुका है, किंतु व्यवहार में इसमें अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देता। यदि राजनीतिक दल स्वयं आत्मानुशासन नहीं अपनाएंगे, तो केवल कानून से समस्या का समाधान संभव नहीं होगा। इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी व्यापक सुधार अपेक्षित हैं। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का वर्षों तक लंबित रहना लोकतंत्र के लिए घातक है। विशेष न्यायालयों द्वारा समयबद्ध सुनवाई, निष्पक्ष जांच और शीघ्र निर्णय की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि न निर्दोष व्यक्ति वर्षों तक संदेह के घेरे में रहे और न दोषी व्यक्ति कानून की तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर जनता का प्रतिनिधित्व करता रहे। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान से नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र से सुनिश्चित होती है। जब तक राजनीति में नैतिकता, सेवा, त्याग और उत्तरदायित्व की भावना नहीं आएगी, तब तक भ्रष्टाचार और अपराध का दुष्चक्र पूरी तरह समाप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, किंतु राष्ट्रीय हित से जुड़े सुधारों का विरोध केवल राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर नहीं होना चाहिए। यदि किसी प्रस्ताव में कमियां हैं तो उन्हें सुधारने के सुझाव दिए जाएं, लेकिन सुधार की दिशा को अवरुद्ध करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जा सकता। आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न है, तो दूसरी ओर राजनीति की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने की चुनौती भी है। इन दोनों लक्ष्यों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

देश दुनिया से

दुनिया की छत से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की तैयारी

जो तिब्बत 'दुनिया की छत' के नाम से मशहूर था, अब चीन उसे इलेक्ट्रो मैग्नेटिक मार्ग वाले रॉकेट लॉन्चिंग अधिकेंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। पेइचिंग इंस्टिच्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस के अंतरिक्ष विज्ञानी यू थांग ने पिछले हफ़्ते कहा, 'चीन की स्पेस इंडस्ट्री के कुछ बहुत ही साहसी और होनहार युवाओं ने दो दशक से भी ज़्यादा समय पहले शिंगहाई-तिब्बत पठार के ऊंचाई वाले और कम हवा वाले इलाकों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च ऑर्बिट बनाने का आइडिया दिया था। अब वो साकार हो रहा है।' इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च टेक्नोलॉजी, एक क्रांतिकारी अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली है, जो पारंपरिक केमिकल, ईंधन के बजाय शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्रों (मैग्नेटिक फील्ड) का उपयोग करके रॉकेट या पेलोड को अंतरिक्ष में लॉन्च करती है। यह तकनीक लक्ष्य तक पहुंचने में सटीक है, और अंतरिक्ष यात्रा की लागत को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखती है। इस प्रणाली में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ट्रैक (विद्युत चुम्बकीय पटरियों) का उपयोग किया जाता है, जो विद्युत ऊर्जा को गतिज ऊर्जा (कायनेटिक एनर्जी) में बदलती हैं। एक बार आवश्यक गति प्राप्त करने के बाद, पेलोड या छोटा रॉकेट वातावरण में ऊपर की ओर छूट जाता है, और अंतरिक्ष के लिए अपनी यात्रा जारी रखता है। इससे भारी मात्रा में ईंधन की बचत होती है। इसे ध्यान में रखें कि पारंपरिक रॉकेटों के कुल वजन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा केवल ईंधन होता है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्चर इस ईंधन के भार को खत्म कर देते हैं, जिससे रॉकेट बहुत अधिक पेलोड (उपग्रह या उपकरण) ले जा सकते हैं। यह तकनीक अंतरिक्ष यान को पारंपरिक केमिकल इंजनों की तुलना में कहीं अधिक गति देती है। इससे मंगल ग्रह की यात्रा का समय 8-9 महीने से घटकर केवल 30-60 दिन होने का दावा किया जा रहा है। यह 300 किलोवाट तक की शक्ति पर काम करता है, और हाइड्रोजन के आवेशित कणों (प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन) को 100 किलोमीटर प्रति सेकंड की आश्चर्यजनक गति प्रदान करता है। भारत

में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (विद्युत-चुंबकीय) रॉकेट लॉन्च तकनीक अभी भी शुरुआती अनुसंधान और विकास के चरण में है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम (ईएमएएलएस) चीन से काफी पीछे है। चीन फ़ुज़ियान (टाइप 003) विमान वाहक पर अपने विद्युत चुम्बकीय कैटापुल्ट को सफलतापूर्वक चालू कर चुका है, अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला वह दुनिया का दूसरा देश है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी की ग्राउंड फोर्स रिसर्च इंस्टिट्यूट में तैनात प्रोफेसर हान ने इसे दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट बताया, और कहा कि यह पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक बड़ी सफलताओं के साथ लगातार चल रहा है। हान ने '4,000 मीटर (13,123 फुट) से ज़्यादा ऊंचे पठार से सीधे डेटा इकट्ठा किया है। उन्होंने इस पर अनुसंधान किया है कि रॉकेट को ज़्यादा ऊंचाई वाले माहौल के लिए कैसे ऑप्टिमाइज़ किया जाए, जहां सर्दियों में तापमान बहुत कम होता है, जिससे हवा का दबाव कम होता है। यह समुद्र तल के प्रेशर का लगभग आधा हो सकता है। इसका मतलब है उड़ान के दौरान हवा का घर्षण कम होता है, और शायद रेंज भी ज़्यादा होती है, खासकर तिब्बत जैसे दुनिया की छत पर रॉकेट को और भी ज़्यादा पावरफुल हथियार बना देगा।' ज़ियांग चीन के पूर्वी सिचुआन प्रांत का शहर है। 2026 की शुरुआत में ज़ियांग में हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग नेविगेशन सिस्टम के सफल परीक्षण ने इस टेक्नोलॉजी को हकीकत के करीब ला दिया है। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व 'ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट' के शोधार्थी कर रहे हैं, जो चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन की एक शाखा है। तकनीकी सफलताओं के बावजूद, अभी भी इंजीनियरिंग से जुड़ी बड़ी चुनौतियां बाकी हैं। ज़ियांग फ़ैसिलिटी चीन के पहले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च वेरिफिकेशन प्लेटफ़ॉर्म को सक्रिय रूप से चला रही है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2028 तक 'इसरो' की तरह व्यावसायिक लांच वाले पैटर्न पर लाना है। अब सवाल है, क्या चीन इस तकनीक का सैन्य इस्तेमाल भी करने के प्रयास में है? चीन विद्युत-चुंबकीय तकनीक का इस्तेमाल मिसाइल और रॉकेट लॉन्चिंग के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में आक्रामक रूप से कर रहा है। पारंपरिक रासायनिक ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए, चीन इस तकनीक को जीरो-स्टेज बूस्टर के रूप में विकसित कर रहा है। चीन की ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट एक ऐसे सुपरकंडक्टिंग मैग्नेटिक लेविटेशन सिस्टम पर काम कर रही है, जो रॉकेट को जमीन से ही ट्रैक पर बिजली के जरिए सुपरसोनिक गति देने में सक्षम है। इससे रॉकेट के इंजन हवा में बहुत ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ही काम करेंगे, जिससे भारी लागत और ईंधन की बचत होगी। मिसाइल तकनीक के साथ चीन उच्च शक्ति वाले माइक्रोवेव (एचपीएम) और ईएमपी हथियारों का निर्माण कर रहा है। चीन ने अंतरिक्ष में मौजूद दुश्मन के सैटेलाइट्स या संचार प्रणालियों को बिना किसी विस्फोट के जाम या नष्ट करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक का उपयोग कर रहा है। चीन, अपने फूचियान जैसे अत्याधुनिक विमान वाहक पोतों पर युद्धक विमानों को लॉन्च करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम को आगे बढ़ा रहा है।

आप का नज़रिया

न अगाड़ी, न पिछाड़ी

सियासत ताश के पत्तों की तरह गिरती है, तो न अगाड़ी नजर आता है और न पिछाड़ी दिखाई देता है। धर्मशाला नगर निगम के कई द्वार सजे, तो खिड़कियों पर अतिक्रमण के पोस्टर चस्पां दिखे। कोरम के बीच चरित्र की चोरी यह कि साबुत पार्षदों के अद्र्ध सत्य की यथार्थ पर छींटाकशी हो गई। यानी कांग्रेस ने सबसे पहले अतिक्रमण की टीप खोली, तो इसी की चपेट में भाजपा के तीन पार्षद बर्फ की सिल्ली बन गए। उधर भाजपा ने पलटवार किया तो कांग्रेस के भी तीन पार्षदों पर अतिक्रमण का उधार निकल आया। कितनी पड़ताल करोगे जंग नहीं हड़ताल करोगे। बेशक भाजपा ने अपने घर और कुटुंब को बचा लिया और मेयर व डिप्टी मेयर की पदवी का शृंगार शमशेर सिंह नेहरिया और प्रेरणा गुलेरिया के नाम हो गया। धर्मशाला का फैसला महापौर और उपमहापौर के चयन के बाद भी आशंकाओं के बीच गिना जाएगा। यहां तीन बनाम तीन के खेल में अगर कुछ न हुआ, तो फिर माजरा क्या है। यह शहर की मिलकीयत में उभरी चुनौतियां हैं जो एक साथ छह पार्षदों के साथ अतिक्रमण के आरोपों की डोर खींच रही हैं। जाहिर है कुछ तो संदेह दोनों तरफ से रहे, तो अब अदालत की हाजिरी में ये मामले सामने आने चाहिएं। जनप्रतिनिधियों का चरित्र विकास के शोरगुल के पीछे छुपना नहीं चाहिए। अतः जिस शह और मात के खेल में तीन बनाम तीन पार्षदों के बीच खेला हुआ, उसकी बुनियाद पर सत्य की खोज अभी बाकी है। यहां नगर निगम में अगर जीत-हार के फासले कांग्रेस बनाम भाजपा रहे, तो दोनों पार्टियों के छोर पर अतिक्रमण की झाडियां उगी हैं। शहरी निकाय चुनावों के बहाने हम अगर चरित्र के जंगल में गुम हो गए, तो हर इंच पर मर्यादा टूटेगी। नगर निगम में ताज पहन कर कोई एक दल बैठे या दूसरा, मगर अंतर तब आएगा जब स्थानीय स्वशासन में बेदाग कसौटियां सिद्ध होंगी। हम हारते मंजर के गवाह बनने के बजाय चरित्र की जीत में पारंगत हों। कहना न होगा कि सत्रह पार्षदों के बीच अगर छह आरोपित हैं, तो उन्हें दोष मुक्त घोषित होने की जरूरत है। अब यह नैतिकता का सवाल है कि भाजपा और कांग्रेस राजनीति की विभाजक रेखा पर अपने-अपने पार्षदों के प्रमाण पत्र दिखाएं। अंततः यह नगर निगमों के आदर्शों, पारदर्शी फ्रेम वर्क, नागरिक उम्मीदों और परिपक्वता से जुड़ा विषय है कि स्थानीय स्वशासन की रूह में न्यायप्रिय शासन और वित्तीय अनुशासन का आचरण सामने आए। जितनी सियासत होनी थी हो गई। जितने आरोप लगने थे लग गए। जिसने जीतना था, जनता ने हार पहना दिए, अब भविष्य के शहरों को रेखांकित करने की जिम्मेदारी में मेयर का ओहदा, पार्षदों का रुतबा और नागरिक अपेक्षाओं का समाधान श्रेष्ठ होना चाहिए। हिमाचल में शहरीकरण को नजरअंदाज करने के उदाहरण आज भी जीवंत हैं, जब मंडी शहर का एक वार्ड खुद को ग्रामीण पोशाक में सुरक्षित मानता है। एक बड़े विजन की तैयारी में शहर क्या सोचते नहीं, बल्कि शहरों को क्या सोचना चाहिए, इस पर सार्थक बहस की जरूरत है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के हस्ताक्षर छीनने के बजाय, हमारी नीतियों, बजटीय व्यवस्था और आत्मनिर्भरता के कदम ज्यादा सशक्त करने होंगे। शहरी व्यवस्था, अधोसंरचना और आर्थिकी के मॉडल विकसित करें, तो रोजगार के हर पहलू में उन्नति होगी। बद्दी तक पहुंचा नगर निगमों का काफिला महज राजनीति देखेगा, तो हम अपनी आर्थिक राजधानी नहीं बना पाएंगे। शिमला में राज्यीय राजधानी क्षेत्र, धर्मशाला में दूसरी राजधानी, मंडी में सांस्कृतिक राजधानी, सोलन में शिक्षा की राजधानी और पालमपुर में चाय का शहर बना कर पेश करना है, तो पार्षदों के चरित्र में भी यह जज्बा होना चाहिए।

> धर्मशाला नगर निगम के कई द्वार सजे, तो खिड़कियों पर अतिक्रमण के पोस्टर चस्पां दिखे। कोरम के बीच चरित्र की चोरी यह कि साबुत पार्षदों के अद्र्ध सत्य की यथार्थ पर छींटाकशी हो गई। यानी कांग्रेस ने सबसे पहले अतिक्रमण की टीप खोली, तो इसी की चपेट में भाजपा के तीन पार्षद बर्फ की सिल्ली बन गए। उधर भाजपा ने पलटवार किया तो कांग्रेस के भी तीन पार्षदों पर अतिक्रमण का उधार निकल आया। कितनी पड़ताल करोगे जंग नहीं हड़ताल करोगे। बेशक भाजपा ने अपने घर और कुटुंब को बचा लिया और मेयर व डिप्टी मेयर की पदवी का शृंगार शमशेर सिंह नेहरिया और प्रेरणा गुलेरिया के नाम हो गया। धर्मशाला का फैसला महापौर और उपमहापौर के चयन के बाद भी आशंकाओं के बीच गिना जाएगा। यहां तीन बनाम तीन के खेल में अगर कुछ न हुआ, तो फिर माजरा क्या है। यह शहर की मिलकीयत में उभरी चुनौतियां हैं जो एक साथ छह पार्षदों के साथ अतिक्रमण के आरोपों की डोर खींच रही हैं। जाहिर है कुछ तो संदेह दोनों तरफ से रहे, तो अब अदालत की हाजिरी में ये मामले सामने आने चाहिएं। जनप्रतिनिधियों का चरित्र विकास के शोरगुल के पीछे छुपना नहीं चाहिए। अतः जिस शह और मात के खेल में तीन बनाम तीन पार्षदों के बीच खेला हुआ, उसकी बुनियाद पर सत्य की खोज अभी बाकी है। यहां नगर निगम में अगर जीत-हार के फासले कांग्रेस बनाम भाजपा रहे, तो दोनों पार्टियों के छोर पर अतिक्रमण की झाडियां उगी हैं। शहरी निकाय चुनावों के बहाने हम अगर चरित्र के जंगल में गुम हो गए, तो हर इंच पर मर्यादा टूटेगी।

कुछ अलग

अनमोल खजाना

अपनी अलमारी के लॉकर में रखी कोई वस्तु जब पत्नी को न मिलती तो वह लॉकर का सारा सामान बाहर निकाल लेती। इस सामान में एक छोटी-सी चांदी की डिबिया भी होती। सुंदर तथा कलात्मक डिबिया। इस डिबिया को वह बहुत सावधानी से रखती। उसने डिबिया को छोटा-सा ताला भी लगा रखा था। मुझे या बच्चों को तो उसे हाथ भी न लगाने देती। वह कहती, ₹इसमें मेरा अनमोल खजाना है, जीते जी किसी को छूने भी न दूंगी। एक दिन पत्नी जल्दी में अपना लॉकर बंद करना भूल गई। मेरे मन में उस चांदी की डिबिया में रखा पत्नी का अनमोल खजाना देखने की इच्छा बलवती हो उठी। मैंने डिबिया बाहर निकाली। उसे हिला कर देखा। डिबिया में से सिक्कों के खनकने की हल्की-सी आवाज सुनाई दी। मुझे लगा, पत्नी ने डिबिया में ऐतिहासिक महत्व के सोने अथवा चांदी के कुछ सिक्के संभालकर रखे हुए हैं। मेरी उत्सुकता और बढ़ी। कौन से सिक्के हैं? कितने सिक्के हैं? उनकी कितनी कीमत होगी? अनेक प्रश्न मस्तिष्क में उठ खड़े हुए। थोड़ा ढूंढ़ने पर डिबिया के ताले की चाबी भी मिल गई डिबिया खोली तो उसमें से एक थैली निकली। कपड़े की एक पुरानी थैली। थैली मैंने पहचान ली। यह मेरी सास ने दी थी, मेरी पत्नी को। जब सास मृत्यु-शैया पर थीं और हम उनसे मिलने गांव गए थे। आंसू भरी आंखों और कांपते हाथों से उन्होंने थैली पत्नी को पकड़ाई थी। उनके कहे शब्द आज भी मुझे याद हैं, ले बेटी! तेरी मां के पास तो बस यही है देने को।' मैंने थैली खोलकर पलटी तो पत्नी का अनमोल खजाना मेज पर बिखर गया। मेज पर जो कुछ पड़ा था, उसमें वर्तमान के ही कुल आठ सिक्के थे-तीन सिक्के दो रुपए वाले, तीन सिक्के एक रुपए वाले और दो सिक्के पचास पैसे वाले। कुल मिला कर दस रुपए।

दृष्टि कोण

कब होगा नगद ईनाम बांट समारोह?

हिमाचल सरकार को भी चुने हुए चौथा बर्ष भी आधा खत्म हो रहा है, मगर ये सरकार भी राज्य के वरिष्ठ व कनिष्ठ राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित नहीं कर पाई है। हां, यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री ने नई खेल नीति बनाने की घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए बजट में ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता की नगद ईनामी राशि को तीन करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए, रजत पदक के दो करोड़ रुपए को तीन करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के एक करोड़ रुपए को दो करोड़ रुपए तक जरूर बढ़ाया है। एशियन व राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के नगद ईनाम में भारी बढ़ोतरी कर एशियाड के स्वर्ण पदक विजेता के पचास लाख रुपए को चार करोड़ रुपए, रजत के बीस लाख रुपए को अढाई करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के बीस लाख रुपए को डेढ़ करोड़ तथा राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत के लिए दो करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपए तक बढ़ा कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को बहुत बड़ी सौगात दी है। ओलंपिक व अन्य गेम्स के पदक विजेताओं को नगद ईनाम भी दे दिया है, मगर राष्ट्रीय पदक विजेताओं को कब ईनाम मिलेगा, यह तय नहीं है। पिछले एक दशक में हिमाचल के खिलाडियों ने विभिन्न खेलों में दर्जनों पदक जीते हैं, मगर उनका सरकार ने अभी तक अभिनंदन तक नहीं किया है। खेलों से सरकारों की इतनी बेरुखी ठीक नहीं है। अभी भी समय है कि ईनाम बांट समारोह सरकार जल्द से जल्द करवाए। डेढ़ दशक पूर्व जब हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने अंतरराष्ट्रीय खेलों के पदाधिकारियों की ईनामी राशि को लाखों से करोड़ों में किया था, तो उसके बाद हरियाणा में खिलाडियों व उनके अभिभावकों ने अपने बच्चों का कैरियर खेलों में तलाशना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में ड्रिल व खेलों के लिए एक पीरियड जो वर्षों पहले पढ़ाई के नाम पर खत्म कर दिया था, अब फिर से शुरू करने का क्रांतिकारी

कदम उठा कर सरकार ने स्कूली विद्यार्थियों की फिटनेस को ध्यान में रखने को तो जरूर कहा है, मगर खेलों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए समय सीमित कर दिया है जो कथनी व करनी में बहुत फर्क दिखा रहा है। प्रतियोगिता व प्रशिक्षण शिविरों के समय खिलाडियों को खाने में बहुत दिक्कत रहती है। सरकार द्वारा खुराक भत्ता बढ़ाना हिमाचल प्रदेश की खेलों व खिलाडियों के लिए अच्छा संकेत है, मगर साथ ही साथ खिलाडियों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए उचित समय देकर खेलों के साथ न्याय करे। ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करवाने की बात हो रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस स्तर पर भारत का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट हो। इसलिए भारत में अच्छे प्रशिक्षकों को सही सुविधा व प्रबंधन देना बहुत ही जरूरी हो जाता है। क्योंकि खिलाड़ी से उच्च परिणाम केवल प्रशिक्षक ही दिलाता है मगर कांग्रेस सरकार की इस ईनाम बढ़ोत्तरी में प्रशिक्षक को मिलने वाले नगद ईनाम पर चुप्पी क्यों है। खेलों में अग्रणी राज्य हरियाणा व केरल अपने प्रशिक्षकों को भी समय समय पर नगद ईनाम अपने विजेता खिलाडियों के साथ देता है। हिमाचल पीछे क्यों रह रहा है। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था।

जाग्रेब ग्रैंड शतरंज टूर : गुकेश ने अनीश गिरी को हराया, संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंचे

जाग्रेब

विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश ने जाग्रेब ग्रैंड शतरंज टूर के दूसरे दिन गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी को हराकर अंक तालिका में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेज़ा फिरोज़ज़ा लगातार शानदार खेल दिखाते हुए शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

फिरोज़ज़ा ने 12 में से 10 अंक हासिल कर तीन अंकों की बढ़त बना ली है। उनके बाद विन्सेंट कीमर (जर्मनी), मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (फ्रांस), बोगदान-डेनियल डियाक (रोमानिया) और डी. गुकेश सात-सात अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के आर. प्रज्ञानानंद, अनीश गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव साढ़े छह अंकों के साथ इनके पीछे हैं। वहीं, क्रोएशिया के इवान सारिच और नीदरलैंड के जार्डन वान फोरेस्ट दो-दो अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर हैं।

गिरी के खिलाफ गुकेश का शानदार प्रदर्शन

सफेद मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने रुई लोपेज़ एक्सचेंज वैरिएशन में अनीश गिरी को शुरुआत से दबाव में रखा। गिरी अपनी तैयारी से जल्दी बाहर हो गए, जिसके बाद गुकेश ने उनके राजा पर लगातार हमला बोला।

भारतीय खिलाड़ी ने एक्सचेंज जीतने के बाद कोई गलती नहीं की और शानदार अंदाज में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रज्ञानानंद की किस्मत ने नहीं दिया साथ

दूसरे भारतीय खिलाड़ी आर. प्रज्ञानानंद का दिन मिला-जुला रहा। उन्होंने शुरुआत में जार्डन वान फोरेस्ट को हराया, लेकिन इसके बाद नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अलीरेज़ा फिरोज़ज़ा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

फिरोज़ज़ा के खिलाफ मुकाबले में प्रज्ञानानंद ड्रा की स्थिति तक पहुंच गए थे, लेकिन एंडगेम में एक बड़ी गलती कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर फिरोज़ज़ा ने जीत दर्ज कर ली।

पहले हार, फिर शानदार वापसी

गुकेश ने दिन की शुरुआत रोमानिया के बोगदान-डेनियल डियाक के खिलाफ अप्रत्याशित हार से की थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने जार्डन वान फोरेस्ट और अनीश गिरी को हराकर शानदार वापसी की। रैपिड वर्ग के अब तीन दौर शेष हैं। हालांकि फिरोज़ज़ा फिलहाल खिताब की दौड़ में सबसे आगे हैं, लेकिन इसके बाद खेले जाने वाले 18 ब्लिट्ज़ मुकाबले टूर्नामेंट के अंतिम विजेता का फैसला करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप: स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

वैंकूवर। ब्रील एम्बोलो और डैन न्डोये के गोलों की बदौलत स्विट्जरलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। अब स्विट्जरलैंड का सामना मंगलवार को इसी मैदान पर कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। स्विट्जरलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और 10वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोहान मंजांबी ने बाएं फ्लैंक से शानदार दौड़ लगाते हुए लो क्रास दिया, जिस पर ब्रील एम्बोलो ने आसान फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मंजांबी का यह टूर्नामेंट में दूसरा असिस्ट रहा। युवा खिलाड़ी अब तक चार विश्व कप मैचों में तीन गोल और दो असिस्ट दर्ज कर चुके हैं। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। 46वें मिनट में बाक्स के बाहर मिली गेंद पर डैन न्डोये ने शानदार नियंत्रण दिखाते हुए अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान को छकाकर गेंद जाल में पहुंचा दी। इसके बाद स्विस टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए अल्जीरिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 2-0 की आसान जीत दर्ज की।

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है आस्ट्रेलियाई टीम

लंदन। आस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी

स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस आस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर आस्ट्रेलियाई कप्तान सर डान ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड दर्ज है। सर डान ब्रैडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकार्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने आस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-तेंदुलकर ट्राफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए।

79वीं सीनियर नेशनल चैंपियनशिप

तेलंगाना वॉटर पोलो टीम की घोषणा

7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई यूनिफ़ॉर्म टीम किट

हैदराबाद।

तेलंगाना राज्य सीनियर वाटर पोलो टीम आगामी 79वीं सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप में अपना दम-खम दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 7 जुलाई से 12 जुलाई, 2026 तक चेन्नई के कुट्टनकुलथुर स्थित डॉ. टी. रामचंद्रन (परविंदर) एक्वाटिक कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए राज्य की टीम चेन्नई रवाना होगी।

गाचीबोवली स्टेडियम में किट का अनावरण

शुक्रवार को गाचीबोवली एक्वाटिक स्टेडियम में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना राज्य वाटर पोलो टीम के खिलाड़ियों, मैनेजर और कोच को उनकी आधिकारिक यूनिफॉर्म और टी-शर्ट किट भेंट की गई। खिलाड़ियों की इस पूरी इवेंट किट को 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित (स्पॉन्सर) किया गया है।

चयन प्रक्रिया और गरिमामयी उपस्थिति

इस किट वितरण समारोह के अवसर पर तेलंगाना सीनियर नेशनल वाटर पोलो टीम और तैराकी संघ के अध्यक्ष पी. चंद्रशेखर रेड्डी, महासचिव जी. उमेश तथा 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड के एमडी एल. मारुति शंकर उपस्थित थे। उनके साथ ही टीम मैनेजर टी. किरण कुमार, वाटर पोलो कोच तिरुपति, आयुष यादव और बालाजी भी मौजूद रहे।

अंबरपेट पूल में हुए थे कड़े ट्रायल

सीनियर नेशनल वाटर पोलो टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन बेहद कड़े मुक़ाबलों के बाद किया गया है।

इसके लिए चयन ट्रायल अंबरपेट स्थित जीएचएमसी स्विमिंग पूल में आयोजित 11वीं तेलंगाना सीनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग चैंपियनशिप के दौरान किए गए थे, जहाँ से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को राज्य की टीम में जगह मिली है।

भारतीय टीम अगले माह श्रीलंका से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी : एसएलसी

कोलंबो

श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के साथ अगस्त 2026 में दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। एसएलसी के अनुसार 15 से 27 अगस्त तक खेली जाने वाली इस सीरीज के लिए भारतीय टीम कोलंबो पहुंचेगी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-2027 चक्र को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इसमें जीत हासिल कर दोनो ही टीमों को लक्ष्य अंक तालिका में ऊपर आना रहेगा।

भारत- श्रीलंका सीरीज का पहला टेस्ट मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के प्रतिष्ठित सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा। दोनों ही मुकाबले स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होंगे।

अभी डब्ल्यूटीसी चक्र की अंक तालिका में भारतीय टीम 9 मुकाबलों के बाद 48.15 के अंक प्रतिशत (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर कायम है। वहीं, श्रीलंका 44.44 के पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है।

गाले और कोलंबो में खेले जाएंगे मुकाबले

शीर्ष-2 में जगह बनाने और डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए प्रत्येक जीत का महत्व है, और यह सीरीज दोनों टीमों को इस लक्ष्य के करीब लाने में काफी मदद करेगी। इस सीरीज से पहले, श्रीलंका में लंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का आयोजन होगा, जिसकी शुरुआत 17 जुलाई को होगी और समापन 8 अगस्त को होगा।एसएलसी ने अपने कार्यक्रम में दोनो टीमों के बीच प्रस्तावित तीन मैचों की टी20 सीरीज के बारे में कुछ नहीं कहा है। यह टी20 सीरीज मूल रूप से दितवाह चक्रवात के बाद द्वीप देश में राहत और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से प्रस्तावित की गई थी। अभी ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली भारत-ए टीम गाले में दो मुकाबलों के रेड-बाल शैडो टूर में खेल रही है। इसका पहला मैच ड्रा होने के बाद, दूसरा चार दिवसीय मुकाबला गुरुवार से शुरू होगा।

अश्विन यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में डबलिन गार्डियंस की कप्तानी करेंगे

मुम्बई। दिग्गज आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीए) में खेलते देखेंगे। अश्विन को पहले सत्र के लिए डबलिन गार्डियंस का कप्तान और मेंटर बनाया गया है। डबलिन गार्डियंस फ्रेंचाइजी के मालिक भारतीय टीम के भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ हैं। ऐसे में अश्विन का इस टीम से जुड़ना लीग की सबसे बड़ी और रणनीतिक नियुक्तियों में से एक माना जा रहा है। द्रविड़ जैसे दिग्गज के साथ अश्विन का यह जुड़ाव भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी उत्सुकता का विषय है, क्योंकि दोनों का क्रिकेटिंग ज्ञान और रणनीतिक दृष्टिकोण भारतीय टीम के लिए कई बार महत्वपूर्ण साबित हुआ है। अश्विन, जो अपनी चतुराई भरी गेंदबाजी और खेल को गहराई से समझने के लिए जाने जाते हैं। अश्विन फिलहाल अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स के लिए खेल रहे हैं। यह दोहरी भूमिका, जिसमें कप्तानी के साथ-साथ मेंटरशिप भी शामिल है, उनके अनुभव और नेतृत्व कौशल का पूरा सदुपयोग करेगी। ईटीपीएल अपने आप में एक ऐतिहासिक पहल है।

फीफा विश्व कप 2026 : पुर्तगाल प्री-क्वार्टर फाइनल में, क्रोएशिया को 2-1 से हराया

टोरंटो

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के ऐतिहासिक गोल और अतिरिक्त समय में गोंकालो रामोस के विजयी हेडर की बदौलत पुर्तगाल ने शुक्रवार को फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 मुकाबले में क्रोएशिया को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। मुकाबले के आखिरी क्षणों में क्रोएशिया ने बराबरी का गोल किया, लेकिन वीएआर जांच के बाद उसे आफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया।

मैच का पहला गोल क्रोएशिया ने 53वें मिनट में किया। अनुभवी विंगर इवान पेरिसिच ने पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा को छकाते हुए शानदार फिनिश कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इसके कुछ ही मिनट बाद रोनाल्डो ने गेंद को जाल में पहुंचाया, लेकिन आफसाइड के कारण गोल मान्य नहीं हुआ।

पुर्तगाल को 69वें मिनट में पेनाल्टी मिली, जब रेनाटो वेइगा को निकोला व्लासिच ने बाक्स के अंदर गिरा दिया। वीएआर समीक्षा के बाद रेफरी ने पेनाल्टी का फैसला दिया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बिना किसी गलती के स्पाट किक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह विश्व कप नाकआउट चरण में रोनाल्डो का पहला गोल

भी रहा।

इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार आक्रमण किए। क्रोएशिया के मातेओ कोवाचिच का शानदार शाट गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने पोस्ट की ओर धकेल दिया, जबकि मारियो पासालिच का हेडर मामूली अंतर से बाहर चला गया।

निर्धारित समय समाप्त होने के बाद जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, तभी चौथे मिनट में राफेल लियाओ के बेहतरीन पास पर गोंकालो रामोस ने हेडर लगाकर पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिला दी।

ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में योश्को ग्वार्डियोल ने क्रोएशिया के लिए बराबरी का गोल कर दिया, लेकिन वीएआर जांच में उन्हें आफसाइड पाया गया और गोल रद्द कर दिया गया। इस फैसले से क्रोएशियाई खिलाड़ी और समर्थक निराश हो गए, जबकि पुर्तगाल ने जीत का जश्न मनाया।

मेसी के बचे हुए मैच मत गिनिए, हर पल का आनंद लीजिए : रोड्रिगो डी पाल

मियामी

अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पाल ने फुटबाल प्रशंसकों से अपील की है कि वे लियोनेल मेसी के विदाई की चर्चा करने के बजाय उनके हर मैच और हर पल का आनंद लें। विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 में केप वर्डे के खिलाफ मुकाबले से पहले डी पाल ने कहा कि मेसी जैसा खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता।

39 वर्षीय लियोनेल मेसी अपने छठे विश्व कप में खेल रहे हैं और माना जा रहा है कि यह अर्जेंटीना की जर्सी में उनका अंतिम विश्व कप हो सकता है। हालांकि डी पाल ने कहा कि टीम अभी से मेसी के बाद के दौर के बारे में नहीं सोच रही है।

डी पाल ने प्री मैच कान्फेंस में कहा, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम हर दिन लियो मेसी का आनंद लें, ठीक वैसे ही जैसे अर्जेंटीना का हर नागरिक करता है। अक्सर हम किसी चीज़ की अहमियत उसके चले जाने के बाद

समझते हैं, लेकिन अभी हमारे पास मेसी हैं और हमें इस पल को जीना चाहिए।

मेसी इस विश्व कप में अब तक तीन मैचों में छह गोल कर चुके हैं। उन्होंने अल्जीरिया के खिलाफ पहले मैच में हैट्रिक भी लगाई थी और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं।

प्रशंसकों के बीच मेसी के बाडीगार्ड के नाम से मशहूर डी पाल ने अपने कप्तान के साथ रिश्ते को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, लियोनेल मेसी का अच्छा दोस्त होना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। दोस्ती जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों में से एक है। मैदान के अंदर और बाहर उनके साथ समय बिताना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं।

डी पाल पिछले वर्ष इंटर मियामी में मेसी के साथ जुड़ गए थे, जहां वह एटलीको मैड्रिड से स्थानांतरित होकर पहुंचे थे।

डी पाल ने स्वीकार किया कि नाकआउट चरण में उन्हें स्पेन या उरुग्वे जैसी मजबूत टीमों का सामना करने की उम्मीद थी, लेकिन केप वर्डे ने शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया।

उन्होंने कहा, हम ऐसी टीम से खेल रहे हैं जिसने ग्रुप चरण में शानदार फुटबाल खेली है। हमें इस मुकाबले को पूरी गंभीरता से लेना होगा क्योंकि यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण मैच है।

करीब आठ वर्षों से अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के भरोसेमंद खिलाड़ी रहे डी पाल का मानना है कि नाकआउट मुकाबलों का अनुभव टीम के काम आएगा, लेकिन हर मैच अलग होता है।

उन्होंने कहा, नाकआउट मुकाबलों का अनुभव हमारे पास है, लेकिन हर मैच नई चुनौती लेकर आता है। ऐसे मुकाबलों में भावनाएं हमेशा प्रबल होती हैं। अनुभव आपको उन्हें संभालना सिखाता है, लेकिन उनका सम्मान करना भी जरूरी है।

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना शुक्रवार को मियामी में केप वर्डे के खिलाफ जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से मैदान पर उतरेगा।

पुराने शहर में 8 ऐतिहासिक कमानों के जीर्णोद्धार के लिए तेलंगाना सरकार ने 11.86 करोड़ मंजूर किए

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
तेलंगाना सरकार ने पुराने शहर (ओल्ड सिटी) में स्थित आठ ऐतिहासिक कमानों (गेटवे) के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण के लिए 11.86 करोड़ की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। पूर्व में इन कमानों की मामूली मरम्मत के लिए एक प्रस्ताव पेश किया गया था, लेकिन अधिकारियों द्वारा इन संरचनाओं की स्थिति को बेहद जर्जर और सुरक्षा के लिए खतरनाक पाए जाने के बाद पुराने प्रस्ताव को बदलकर पूरी तरह से जीर्णोद्धार करने का यह नया फैसला लिया गया है।

क्यूक्यूसूदा संभालेगा कमान, एचएमडीए फंड से होगा खर्च

इस ऐतिहासिक जीर्णोद्धार परियोजना का कार्य 'कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण' (क्यूक्यूसूदा) द्वारा किया जाएगा, और इस पर होने वाला पूरा खर्च हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के फंड से वहन किया जाएगा। सरकार ने क्यूक्यूसूदा को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सलाहकारों (कंसल्टेंट्स) को नियुक्त करने और प्रत्येक कमान के जीर्णोद्धार कार्य के लिए अलग-अलग निविदाएं (टेंडर्स) आमंत्रित करने की भी अनुमति दे दी है।

किस कमान के हिस्से आया कितना बजट?

इस जीर्णोद्धार परियोजना के तहत आठ प्रमुख कमानों के लिए बजट का आवंटन इस प्रकार किया गया है:

रानीगंज कमान: 0.63 करोड़

शेख फैज कमान: 0.82 करोड़

चत्था बाजार कमान: 1.40 करोड़

दीवान देवड़ी कमान-1: 2.00 करोड़

दबीरपुरा कमान: 1.14 करोड़

हुसैनी आलम कमान: 0.55 करोड़

दीवान देवड़ी कमान-2: 2.38 करोड़

हशमतगंज कमान: 2.94 करोड़

पुराना प्रस्ताव हुआ रद्द, नए आदेश ने ली जगह

सरकार ने स्पष्ट किया कि साल 2023 में इन ऐतिहासिक द्वारों में से छह की मामूली मरम्मत के लिए 2 करोड़ की जो पुरानी मंजूरी दी गई थी, वह अपर्याप्त पाई गई। अधिकारियों का मानना था कि केवल पैचवर्क या मामूली मरम्मत से इन ऐतिहासिक संरचनाओं की मजबूती (स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी) और सुरक्षा को बहाल नहीं किया जा सकता था। परिणामस्वरूप, पिछले आदेश को रद्द करते हुए यह नया और व्यापक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

देश का पहला फाइव-ऑर्गन ट्रांसप्लांट

उस्मानिया अस्पताल के डॉक्टरों ने रचा इतिहास, 36 घंटे चला ऑपरेशन

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
हैदराबाद के सरकारी उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) के सर्जनों की एक टीम ने चिकित्सा जगत में एक नया इतिहास रच दिया है। डॉक्टरों की इस टीम ने 36 घंटे तक चले बेहद जटिल ऑपरेशन के बाद देश का पहला प्रमाणित 'फाइव-ऑर्गन' (पांच अंग) डाइजेस्टिव सिस्टम ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरा किया है। भारत में इससे पहले ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं किया गया था।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित था मरीज, पूरे पाचन तंत्र को बदलना था जरूरी

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. च. मधुसूदन ने बताया कि एक इंजीनियर मरीज पिछले छह महीने से पेट के गंभीर दर्द और वजन घटने की समस्या से जूझ रहा था। एक दुर्लभ आनुवंशिक (जेनेटिक) बीमारी के कारण उसके पाचन तंत्र का अधिकांश हिस्सा पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुका था। जांच में डॉक्टरों ने पाया कि उसके पेट और आंतों में कैंसर-पूर्व (प्री-कैंसरस) गांठे बन चुकी थीं। ऐसी स्थिति में केवल आंत का ट्रांसप्लांट काफी नहीं था, बल्कि उसके पूरे पाचन तंत्र (5 अंगों) को बदलना अनिवार्य था। इसके लिए तेलंगाना के अंग दान प्राधिकरण 'जीवंदन' से विशेष अनुमति ली गई। 29 जून को एक 35 वर्षीय ब्रेन-डेड दाता (डोनर) मिलने के बाद इस ऐतिहासिक ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

डॉ. मधुसूदन और डॉ. माधवी के नेतृत्व में टीम ने नहीं ली नींद की झपकी

इस बेहद जोखिम भरे ऑपरेशन में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी आठ घंटे की नियमित ड्यूटी की परवाह किए बिना लगातार 36 घंटे तक काम किया। डॉ. माधवी के नेतृत्व में एनेस्थीसिया टीम ने बिना किसी ब्रेक के मरीज की पल्स, ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन के स्तर की पल-पल निगरानी की। इस ऐतिहासिक सर्जरी को अंजाम देने वाली बहुविषयक टीम में प्रमुख रूप से डॉ. च. मधुसूदन (मुख्य सर्जन), डॉ. माधवी, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुदर्शन रेड्डी, डॉ. भावना, डॉ. यासीन फातिमा सहित ओटी तकनीशियन कृष्णा, नर्स रानी और कई पीजी छात्र शामिल थे।

मुख्यमंत्री राहत कोष और डॉक्टरों ने खुद जुटाया खर्च, निजी अस्पताल में आता 1 करोड़ का खर्च

चूंकि यह सर्जरी भारत में पहली बार हुई है, इसलिए यह किसी सरकारी स्वास्थ्य योजना या बीमा के दायरे में नहीं आती। इस वित्तीय अंतर को पाटने के लिए अस्पताल ने 'मुख्यमंत्री राहत कोष' से आंशिक सहायता प्राप्त की, जबकि बाकी की कमी को सर्जिकल टीम ने व्यक्तिगत रूप से पैसे जुटाकर पूरा किया। उस्मानिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश सहाय ने कहा कि निजी अस्पतालों में इस तरह के ऑपरेशन का खर्च 1 करोड़ रुपये से अधिक आता है, लेकिन सरकारी अस्पताल ने इसे पूरी तरह मुफ्त में करके समाज के लिए एक नई उम्मीद जगाई है।

साइबराबाद पुलिस ने शुरू किया ऑपरेशन मुस्कान-12

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): साइबराबाद पुलिस ने शुक्रवार से ऑपरेशन मुस्कान-12 की शुरुआत की है। महीने भर चलने वाले इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य लापता बच्चों का पता लगाना और भीख मांगने, कचरा चुनने, बाल श्रम, तस्करी तथा बंधुआ मजदूरी के दलदल में धकेले गए मासूमों को सुरक्षित बचाना है।

पुलिस ने इस अभियान के लिए सात विशेष टीमों का गठन किया है। प्रत्येक टीम में एक उप-निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) और एक महिला सिपाही सहित पांच कांस्टेबल शामिल हैं, जो विपरीत और संवेदनशील परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें बचाने और उनके पुनर्वास के लिए काम करेंगे। ये टीमें महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी), श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाइयों और स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगी। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने इस अभियान की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। यह अभियान 31 जुलाई तक जारी रहेगा।

साइबराबाद महिला सुरक्षा विंग की डीसीपी के. सृजना ने बताया कि अपने परिवारों से बिछड़ चुके लापता और अज्ञात बच्चों की पहचान करने के लिए ये टीमें 'दर्पण' नामक फेशियल रिकग्निशन (चेहरा पहचानने वाली) एप्लीकेशन का उपयोग करेंगी। डीसीपी सृजना पूरे महीने इस ऑपरेशन की सीधे निगरानी करेंगी।

पुलिस के अनुसार, पिछले मामलों के आधार पर ऐसे हॉटस्पॉट्स (प्रमुख स्थानों) की पहचान कर ली गई है जहाँ बच्चों के बाल श्रम या अन्य प्रकार के शोषण में लिप्त होने की अधिक संभावना रहती है।

रेस्क्यू टीमें विशेष रूप से इन चिन्हित स्थानों पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगी और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर बच्चों के उचित पुनर्वास को सुनिश्चित करेंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूपी...

सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। 2017 में एआईएमआईएम को 0.2 फीसदी और 2022 में 0.43 फीसदी वोट मिला था। यूपी की सियासत में मुख्य रूप से भाजपा और समाजवादी पार्टी (गठबंधन) के बीच सिमटी हुई है। ऐसे में ओवैसी पर लगातार 'वोट कटवा' पार्टी या विपक्ष द्वारा बीजेपी की 'बी-टीम' होने का आरोप लगता है। यूपी का मुस्लिम वोटर बेहद रणनीतिक तरीके से मतदान करता है। मुस्लिमों की पहली प्राथमिकता उस उम्मीदवार या पार्टी को चुनना होता है जो भाजपा को हराने की स्थिति में हो। मुस्लिम समुदाय को लगता है कि ओवैसी को वोट देने से धर्मनिरपेक्ष वोट बंट जाएंगे, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। इसके कारण ही ओवैसी की अपील के बावजूद जमीनी स्तर पर बड़ा वोट बैंक उनके साथ नहीं जुड़ पाता।

मुस्लिम मतदाता सूबे में सपा का कोर वोटबैंक माना जाता है। 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में मुस्लिमों का 80 फीसदी से भी ज्यादा वोट सपा को मिला है। यूपी में सपा और कांग्रेस का गठबंधन होने से अखिलेश यादव मानकर चल रहे हैं कि 2027 में मुस्लिम वोटर लामबंद रहेंगे। इसीलिए मुस्लिम वोटों पर बहुत ज्यादा तवज्जो देने के बजाय बीजेपी के वोटबैंक में सेंधमारी के लिए दांव चल रहे हैं, जिसके लिए सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर खड़े दिख रहे हैं।

अखिलेश यादव जिस तरह मुसलमानों के मुद्दे और मुस्लिम प्रतिनिधित्व पर चुप्पी साधे हुए हैं, उसे लेकर मुस्लिमों में बेचैनी है। ऐसे में ओवैसी अब उस असंतोष को भुनाने की कवायद में जुट गए हैं और उनकी नजर मुस्लिम वोटबैंक को अपने पाले में लाने की है। ओवैसी भले ही खुद सीटें न जीत पाएं, लेकिन अगर वे मुस्लिम बहुल सीटों पर 10-15 हजार वोट भी काटने में कामयाब रहे, तो सियासी गेम बदल सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने आरजेडी को इसी तरह नुकसान पहुंचाया था, लगता है कि ओवैसी उसी फॉर्मूले से यूपी का गेम बदलने का दावा कर रहे हैं।

संगठन और लीडरशिप की कमी: सबसे बड़ी चुनौती

किसी भी राज्य में गेम बदलने के लिए सिर्फ एक दमदार चेहरे की नहीं, बल्कि एक मजबूत सांगठनिक ढांचे की जरूरत होती है। यूपी में एआईएमआईएम के पास बूथ स्तर का मजबूत संगठन नहीं है। ओवैसी को आज भी यूपी की सियासत में हैदराबाद के नेता के रूप में देखा जाता है। जब तक एआईएमआईएम स्थानीय स्तर पर मजबूत और सर्वमान्य नेता तैयार नहीं करेगी, तब तक केवल ओवैसी के दौरों के दम पर चुनाव जीतना नामुमकिन है।ओवैसी का राजनीतिक प्रभाव देश में उन्हीं सीटों पर दिखा है, जहां पर उनके साथ मजबूत मुस्लिम नेता रहे हैं और मुस्लिमों की आबादी 50 फीसदी से ज्यादा रही है। तेलंगाना से लेकर बिहार और महाराष्ट्र तक ओवैसी के पास स्थापित मुस्लिम नेता हैं, जिन्हें आगे कर चुनावी गेम बदला है और यूपी में भी उनकी पार्टी की जमानत उन्हीं सीटों पर बची है, जहां पर स्थानीय स्थापित मुस्लिम नेता चुनाव लड़े थे।

मजबूत साथी की तलाश में ओवैसी

उत्तर प्रदेश में ओवैसी के पास कोई बड़ा जनाधार वाला मुस्लिम चेहरा नहीं है और न ही जमीनी स्तर पर संगठन बहुत मजबूत है। ऐसे में यूपी का मिजाज बदलने के लिए ओवैसी 'केवल मुस्लिम राजनीति' वाले ठप्पे से बाहर निकलकर मुस्लिम, दलितों, पिछड़ों और वंचितों का एक मजबूत सामाजिक गठबंधन बनाना चाहते हैं, जैसा उन्होंने बिहार में प्रयोग किया था। असदुद्दीन ओवैसी यूपी में बसपा के साथ गठबंधन करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं, लेकिन मायावती अकेले चुनाव लड़ने के फैसले पर कायम हैं।

मायावती से हरी झंडी न मिलती देख ओवैसी यूपी में स्वामी प्रसाद मौर्य और चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। हालांकि, स्वामी प्रसाद मौर्य यूपी की राजनीति में अब मजबूत आवाज नहीं रह गए हैं। ऐसे में उनके साथ जुड़ने से भी ओवैसी का कोई बहुत भला होगा, ये कहना जल्दबाजी होगी। चंद्रशेखर आजाद भी चुनावी तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन उनके साथ भी ओवैसी के जाने से कितना असर होगा, ये भविष्य में ही पता चलेगा।

ईडी की अनोखी...

बाद में, ईडी ने पीएमएलए (न्यायनिर्णयन प्राधिकरण द्वारा पुष्टि की गई कुर्क या फ्रीज की गई संपत्तियों का कब्ज़ा लेना) नियम, 2013 के नियम 4(2) के तहत विमान की नीलामी के लिए 20 नवंबर, 2025 को प्राधिकरण से अनुमति हासिल की थी।

792 करोड़ रुपये का इनवॉइस डिस्काउंटिंग धोखाधड़ी मामला

ईडी ने अपनी इस जांच की शुरुआत साइबराबाद की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा हैदराबाद स्थित कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड (जिसे फाल्कन ग्रुप के नाम से भी जाना जाता है), इसके अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमरदीप कुमार और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई तीन प्राथमिकियों के आधार पर की थी।

एंजेसियों के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर एक इनवॉइस डिस्काउंटिंग योजना के तहत भारी रिटर्न का लालच देकर बड़ी संख्या में निवेशकों से लगभग 792 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। हालांकि, जांचकर्ताओं ने पाया कि कोई वास्तविक इनवॉइस डिस्काउंटिंग व्यवसाय नहीं चलाया जा रहा था और यह पूरा ऑपरेशन पूरी तरह से एक पोंजी योजना के रूप में काम कर रहा था।

तीन आरोपी गिरफ्तार, अभियोजन शिकायत दर्ज

इस व्यापक जांच के हिस्से के रूप में, ईडी ने अब तक तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें अमरदीप कुमार के भाई संदीप कुमार; चार्टर्ड अकाउंटेंट शरद चंद्र तोषनीवाल; और फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग के सीईओ आर्यन सिंह छाबड़ा शामिल हैं। केंद्रीय एजेंसी ने 29 सितंबर, 2025 को क्षेत्राधिकार अदालत के समक्ष एक अभियोजन शिकायत भी दर्ज की थी।

निवेशकों को वापस लौटाई जाएगी बिक्री की राशि

ईडी ने कहा कि नीलामी से प्राप्त 3 करोड़ रुपये की राशि को बैंक में जमा किया जाएगा और बाद में विशेष अदालत की अनुमति के अधीन, पीएमएलए के प्रावधानों के अनुसार वास्तविक निवेशकों को मुआवजा देने के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

एजेंसी ने कहा कि यह ऐतिहासिक नीलामी न केवल अपराध की कमाई का पता लगाने और उसे ज़ब्त करने के उसके प्रयासों को दर्शाती है, बल्कि वित्तीय धोखाधड़ी से प्रभावित पीड़ितों और निवेशकों को कुर्क की गई संपत्ति वापस दिलाने की प्रतिबद्धता को भी साबित करती है। मामले में आगे की जांच अभी जारी है।

दोषियों को ...

इसलिए एसआईटी अब तक 150 से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है। वहीं, इस मामले में राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे विनय कटियार का बड़ा बयान सामने आया है। विनय कटियार का भी कहना है कि राम मंदिर के चढ़ावे में गबन हुआ है। उनका कहना है कि चंपत राय भी जेल जाएंगे।

कोर्ट से गुहार...

बल्कि श्रद्धालुओं की आवाज होगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जो कुछ हुआ, वह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ विश्वासघात है। दिग्विजय सिंह ने महाकाल मंदिर में चढ़ावे और चंदे की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए और कहा कि वहां भी जांच की जरूरत है।

इसके साथ ही उन्होंने अपने भोपाल स्थित निवास के बाहर एक बैनर लगवाया है, जिस पर लिखा है, 'घर में चंदा चोरों का प्रवेश निषेध।' दिग्विजय सिंह ने लोगों से अपील की कि जिन्होंने भी राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया था, वे उनकी 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली उज्जैन से अयोध्या तक की पदयात्रा में शामिल हों, चाहे उनका संबंध किसी भी राजनीतिक दल या विचारधारा से क्यों न हो।

मैं अदालत जाऊंगा, थाने पर भरोसा नहीं

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मीडिया से बातचीत में दिग्विजय सिंह ने कहा, मैंने तय किया है कि अयोध्या में मुकदमा दायर करूंगा। मैंने जो दान दिया था, उसका गबन हुआ है, उसे लूटा गया है। इसलिए वह पैसा मुझे वापस किया जाए ताकि मैं उसे रामालय ट्रस्ट में जमा कर सकूं। मुझे थाने पर भरोसा नहीं है। पुलिस बीजेपी के नियंत्रण में है, इसलिए मैं थाने नहीं जाऊंगा, अदालत जाऊंगा।

मंदिर के लिए दो बार दान दिया: दिग्विजय

दिग्विजय सिंह ने कहा, राम मंदिर के लिए दो बार चंदा अभियान चलाया गया था। पहली बार जब लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा निकली थी, तब भी मैंने योगदान दिया था। हमें राम मंदिर और भगवान राम पर आस्था है। लेकिन पहली बार जुटाए गए चंदे का कभी हिसाब नहीं दिया गया। अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में (श्रीराम जन्मभूमि बनाम बाबरी मस्जिद विवाद) सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद फिर से चंदा अभियान शुरू किया गया। विश्व हिंदू परिषद ने अभियान चलाया था, लेकिन मैंने उन्हें दान नहीं दिया क्योंकि मुझे उन पर भरोसा नहीं था। चंदे के पैसों के गबन की उनकी आदत पुरानी है। इसलिए मैंने सीधे ट्रस्ट को दान दिया।

दिग्विजय सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 लाख रुपये दान दिए थे, इसलिए उन्होंने उनसे ज्यादा राशि देने का फैसला किया। कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने 1 लाख 11 हजार रुपये दान किए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि यह राशि ट्रस्ट में जमा कराई जाए। हमने खुद पैसा जमा किया और उसकी रसीद भी ली। मैंने यह दान भगवान राम में आस्था और भव्य मंदिर निर्माण की भावना से दिया था, लेकिन अब सामने आ रही शिकायतें बेहद चिंताजनक हैं।

यह हमारी आस्था पर गहरी चोट

उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे चंपत राय ने 10 से 15 हजार रुपये महीने के वेतन पर कर्मचारियों की नियुक्ति की थी, जबकि रोजाना आने वाले दान का 10 से 20 प्रतिशत हिस्सा गायब हो जाता था। दिग्विजय सिंह ने कहा, दान में आने वाली नकदी की गड्डियां गायब हो जाती थीं। इसमें बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी भूमिका सामने आई है। यह हमारी आस्था और भगवान राम के प्रति श्रद्धा पर गहरी चोट है। दिग्विजय सिंह ने दोहराया कि वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे और अपने दान की राशि वापस मांगेंगे। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान (नकदी, सोना-चांदी, आभूषण इत्यादि) के गबन का मामला 7 जून को सामने आया था। आरोप है कि चढ़ावे का प्रबंधन करने वाले राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों और बैंक से जुड़े कुछ लोगों की मिलीभगत से गड़बड़ी की गई। यूपी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की। इस मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा का इस्तीफा हुआ है।

दोषियों को ...

गड़बड़ी की जांच की मांग की। पत्र में आरोप लगाया गया कि मंदिर के चढ़ावे के प्रबंधन में अनियमितताएं हो रही हैं और इसमें कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा मंदिर समिति अध्यक्ष के निजी सहायक की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

इसके बाद मुख्य कार्याधिकारी ने अध्यक्ष के निजी सहायक समेत कुछ कर्मचारियों को नोटिस जारी किया। बताया गया कि मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज में कुछ कर्मचारी और अध्यक्ष के निजी सहायक नकदी की गिनती करते दिखाई दे रहे हैं।

सीसीटीवी फुटेज पर उठे सवाल

मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने कहा कि उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज से फिलहाल यह स्पष्ट नहीं होता कि चढ़ावे में किसी प्रकार की चोरी हुई है। हालांकि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अध्यक्ष से जांच समिति गठित करने की अनुमति मांगी गई है। अनुमति मिलने के बाद विस्तृत जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि तथ्यों की पुष्टि से पहले भ्रामक आरोप लगाने से बचें और जांच पूरी होने तक धैर्य बनाए रखें।

दान और चढ़ावे के प्रबंधन के लिए सख्त निर्देश

विवाद के बीच इघढउ ने अपने अधीन आने वाले सभी मंदिरों में दान, चढ़ावे और अन्य आय स्रोतों के प्रबंधन को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 2 जुलाई 2026 को जारी आदेश में अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश के अनुसार, दान गिनने वाले केंद्रों, लेखा शाखा, ट्रेजरी सेक्शन, अतिथि गृहों और पूजा काउंटरों पर तैनात कर्मचारियों को पूर्ण पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। समिति ने साफ किया है कि नकद दान, चढ़ावे या मंदिर की संपत्ति के प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या वित्तीय अनियमितता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

टीएमसी...

टीएमसी का ये गुट ममता बनर्जी को अपना सलाहकार बताता है।

बाद में मीडिया से बात करते हुए पार्टी नेता अख्रुज्जमां ने कहा, यह पार्टी कार्यालय हमारा है। हम तृणमूल हैं। जोड़ा फूल हमारा चिह्न है। हम असली तृणमूल हैं।

पार्टी मीटिंग के बाद ऋतब्रत गुट के नेताओं ने दफ्तर बंद कर दिया और चाबी अपने पास लेते गए। जाते समय ऋतब्रत बनर्जी ने कहा, हम अपने पार्टी कार्यालय आ गए हैं। हमारी सलाहकार ममता बनर्जी हैं। अभी यह नहीं बताया जा सकता कि ऋतब्रत गुट की ये बैठक किस बारे में थी।

जब पत्रकारों ने ताला लगा रहे एक व्यक्ति से पूछा कि वह किसके लिए ताला लगा रहा है, तो उसने दरवाजे पर लगे एक नए पोस्टर की ओर इशारा करते हुए कहा, आप इसे प्रकाशित करें, आपको जो कुछ भी जानना है, वह यहां लिखा है।

वहीं ऋतब्रत गुट के नेता अख्रुज्जमां ने कहा कि हम ही असली तृणमूल हैं। चाबी हमारे पास ही रहेगी। यह अरूप रॉय के पास ही रहेगी।

चुनाव आयोग में दस्तावेज सौंपे

यह नया कदम चुनाव आयोग में हुई बैठक के बाद उठाया गया है। गौरतलब है कि ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट ने गुरुवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद ऋतब्रत ने दावा किया कि पार्टी के संगठनात्मक परिवर्तनों से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज आयोग को सौंप दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि 22 जून को अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के विशेष सत्र में अरूप रॉय को अध्यक्ष चुना गया और नई राष्ट्रीय कार्य समिति का गठन किया गया। नियमों के अनुसार यह सूचना 23 जून को चुनाव आयोग को दे दी गई थी।

ऋतब्रत ने यह भी दावा किया कि आयोग की पूर्ण पीठ ने उनके बयानों को काफी देर तक सुना और आश्वासन दिया कि वे मामले की जांच करेंगे और जल्द ही फैसला सुनाएंगे।ऋतब्रत शिविर के नेता संदीपन साहा का दावा है कि पार्टी के अधिकांश विधायक उनके साथ हैं।

अब सबकी निगाहें चुनाव आयोग के फैसले पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में टीएमसी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आयोग तृणमूल कांग्रेस का नाम और चुनाव चिह्न किस गुट को सौंपता है।

ममता गुट ने किया दावों को खारिज

वहीं ममता गुट के नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि इस गुट के दावे में कोई दम नहीं है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि अगर कुछ गुंडों ने मिलकर पार्टी बना ली है तो क्या हम उसे मान लेंगे। फिलहाल पार्टी ऑफिस के बाद कोलकाता पुलिस और सेंट्रल फोर्सेज को तैनात कर दिया गया है।

चन्नी दा...

पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु ने भी कहा कि कुछ दिन पहले जारी की गई पदाधिकारियों की सूची से कार्यकर्ताओं में असंतोष है। उन्होंने कहा कि हाईकमान को इस सूची पर पुनर्विचार करना चाहिए।

बैठक में दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने चरणजीत सिंह चन्नी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है।बैठक के बाद चरणजीत सिंह चन्नी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस के नेताओं ने उनके आवास पर आकर उनसे पंजाब की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को पार्टी हाईकमान तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

चन्नी को भाजपा में शामिल होने का खुला प्रस्ताव

इस बीच पंजाब भाजपा अध्यक्ष ने भी इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए चरणजीत सिंह चन्नी को भाजपा में शामिल होने का खुला प्रस्ताव दे दिया, जिससे सियासी हलचल और बढ़ गई।

उधर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में हुई मुलाकात ने भी राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है, हालांकि इस मुलाकात को लेकर कोई आधिकारिक राजनीतिक बयान सामने नहीं आया है।

पिछली हार की दोहराई नहीं जा सकती: नेताओं की चेतावनी

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में मची अंदरूनी खींचतान और नेतृत्व विवाद को पार्टी की हार का बड़ा कारण माना गया था, जिसका फायदा आम आदमी पार्टी को मिला था। अब चुनावी साल में एक बार फिर पंजाब कांग्रेस में उभरता असंतोष पार्टी के लिए नई चुनौती बनता दिखाई दे रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 04 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

जामबाग में 68 लाख की लागत से सीसी रोड का उद्घाटन

राजा सिंह ने उठाए ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत पर गंभीर सवाल

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जामबाग डिवीजन में विकास कार्यों को गति देते हुए एक महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ किया गया। यहाँ स्वाती ढाबा लाइन के पास बीएसएनएल कार्यालय से लेकर यादव भवन तक लगभग 68 लाख की अनुमानित लागत से निर्मित होने वाली सीसी(सीमेंट कंक्रीट) रोड के निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन संपन्न हुआ। हालांकि, इस उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र में ठेकेदारों और अधिकारियों की लापरवाही का एक बड़ा मुद्दा भी गरमा गया है।

एक ही ठेकेदार को कई टेंडर; बिलों के चक्कर में जनता परेशान

उद्घाटन के दौरान गोशामहल विधानसभा में विकास कार्यों की कछुआ गति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। वर्तमान व्यवस्था की खामियों को उजागर करते हुए कहा गया कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि क्षेत्र का विकास ठेकेदारों और नगर निगम अधिकारियों की घोर लापरवाही की भेंट चढ़ रहा है। मौजूदा प्रणाली में एक ही ठेकेदार को 5 से 10 विकास कार्यों के टेंडर दे दिए जाते हैं। ठेकेदार एक-दो काम शुरू तो करता है, लेकिन जैसे ही उसके बिलों के भुगतान में थोड़ी भी देरी होती है, वह बाकी सभी कार्यों को महीनों और कई बार वर्षों तक अधूरा छोड़ देता है। इस लचर कार्यशैली का सीधा खामियाजा स्थानीय जनता को भुगतना पड़ रहा है।

1-2 प्रतिशत के निजी स्वार्थ के लिए दांव पर विकास, नियमों की अनदेखी

नगर निगम के स्पष्ट नियम हैं कि यदि कोई ठेकेदार अलॉटमेंट के बाद 2 से 3 महीने के भीतर कार्य प्रारंभ नहीं करता या तय समय-सीमा में उसे पूरा नहीं करता, तो नगर निगम के पास उसका ठेका (टेंडर) रद्द करने का पूरा अधिकार है। इसके बावजूद, धरातल पर कार्रवाई शून्य है।

आरोप है कि कुछ भ्रष्ट अधिकारी महज 1-2 प्रतिशत के अपने निजी स्वार्थ के चलते ऐसे लापरवाह ठेकेदारों को संरक्षण देते हैं और उनके खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाते। यही कारण है कि क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण विकास कार्य पिछले डेढ़ से दो साल से अधर में लटके हुए हैं।

वास्तविकता से पर्दा उठाते हुए कहा गया कि आम जनता को लगता है कि स्थानीय विधायक विकास कार्य नहीं करवा रहे हैं, जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है। एक अदद सीसी रोड को मंजूरी दिलाने में करीब छह महीने का लंबा समय लगता है। जोनल कमिश्नर कार्यालय के लगातार चक्कर काटने, जटिल विभागीय प्रक्रियाओं को पूरा करने और कड़े प्रयासों के बाद कहीं जाकर बजट स्वीकृत होता है। इतनी मेहनत के बाद भी यदि ठेकेदार काम अटकाएं और अधिकारी मौन रहें, तो यह जनता के साथ अन्याय है।

इस पूरे मामले को लेकर नगर निगम प्रशासन के सामने चार अत्यंत तीखे और सीधे सवाल खड़े किए गए हैं:

जो ठेकेदार वर्क ऑर्डर मिलने के बाद भी समय पर कार्य शुरू नहीं करते, उनके टेंडर अब तक ब्लैकलिस्ट या रद्द क्यों नहीं किए गए?

किसी एक ही ठेकेदार की क्षमता को परखे बिना उसे एक साथ 5 से 10 कार्यों के टेंडर थमा देने का तकनीकी आधार क्या है?

वर्षों से लंबित पड़े इन विकास कार्यों और ठेकेदारों को सह देने के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों पर अब तक क्या दंडात्मक कार्रवाई की गई?

करदाताओं और आम जनता को समय पर बुनियादी सुविधाएं व विकास कार्य उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम आगे क्या ठोस और पारदर्शी कदम उठाने जा रहा है?

राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान अभियान जारी

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों की सेवा की गई। श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव से आयोजित इस अभियान के अंतर्गत ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण, अनुशासन और आत्मीयता के साथ अपनी सहभागिता निभाई।

केबीआर पार्क के समीप मरीजों के परिजनों को वितरित किया भोजन

इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में उपचाररत मरीजों के परिजनों, जरूरतमंदों एवं राहगीरों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया।

सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण, अनुशासन और आत्मीयता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई।

बेगम बाजार एवं नामपल्ली में भी चला सेवा अभियान

इसी प्रकार बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक, राहगीरों एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

वहीं नामपल्ली स्थित पिलर नंबर 1265-ए के पास भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भूखों को भोजन कराना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना भी रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प लिया। सभी ने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

ग्रुप ने भविष्य में भी नियमित अन्नदान, गौसेवा एवं अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों को और अधिक विस्तार देने का संकल्प व्यक्त किया, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

श्री हरे कृष्ण मंदिर, आबिड्स की स्वर्ण जयंती जगन्नाथ रथयात्रा व महोत्सव की तैयारियों पर अग्रवाल समाज की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

श्री हरे कृष्ण मंदिर, आबिड्स की आगामी स्वर्ण जयंती जगन्नाथ रथयात्रा और भव्य स्वर्ण जयंती महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में अग्रवाल समाज तेलंगाना के राघव रत्ना टावर्स (तृतीय तल) स्थित केंद्रीय कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी 16 जुलाई 2026 को निकलने वाली भव्य जगन्नाथ रथयात्रा तथा 15 से 18 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय स्वर्ण जयंती महोत्सव की रूपरेखा और प्रबंधों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

इस उच्च स्तरीय बैठक में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, संयुक्त सचिव प्रतीक कुमार नरसरिया एवं अंकित कुमार अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं, मंदिर प्रबंधन की ओर से श्री हरे कृष्ण मंदिर (आबिड्स) के अध्यक्ष श्री वरदु कृष्ण दास जी, एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य प्रेम कीर्तन दास, अखिल भारतीय इस्कॉन ऑडिट समिति के अध्यक्ष जनार्दन दास काबरा तथा डॉ. वेणुगोपाल कृष्ण ने सहभागिता कर आयोजन की बारीकियों से अवगत कराया।

बैठक के दौरान रथयात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाएं, प्रचार-प्रसार तथा महोत्सव में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने जैसी विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों ने मंदिर प्रबंधन को आश्वस्त किया कि इस पावन स्वर्ण जयंती वर्ष के दोनों ही विशाल आयोजनों को सुव्यवस्थित, भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज हर संभव पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

रामचंद्र राव के सफल कार्यकाल का एक वर्ष पूरा, विशेष पूजा-अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 3 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष नारापराजु रामचंद्र राव के सफलतापूर्वक पदभार संभालने और अपना एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के उपलक्ष्य में शहर के चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर एवं मीरालम मंडी स्थित महाकाली माता मंदिर में उनके नाम से गोत्र-नामों के साथ विशेष पूजा-अर्चना और पुष्प पूजा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने प्रार्थना की कि भगवान नारापराजु रामचंद्र राव को सदैव उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और दीर्घायु प्रदान करें। नेताओं ने विश्वास जताया कि रामचंद्र राव के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना में सफलता के नए पथ पर आगे बढ़ती रहेगी। वे कार्यकर्ताओं के लिए निरंतर प्रेरणास्रोत बने रहेंगे और तेलंगाना की जनता के और करीब जाकर उनकी उत्कृष्ट सेवा करते रहेंगे।

इस विशेष पूजा कार्यक्रम में भाग्यनगर जिला वाणी अक्कापेड्डी भाजपा एंडोमेंट सेल धार्मिक राज्य संयुक्त संयोजक, प्रशांत नीमकर संयोजक, वेदुरथ गौड़ सह संयोजक, लक्ष्मा मथेशकर संयुक्त संयोजक, अमित सिंह ठाकुर संयुक्त संयोजक, शंकर जिंगडे कार्यकारी सदस्य, मधुसुदन संयुक्त संयोजक सहित कई अन्य गणमान्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आचार्य श्री तुलसी का 30वां महाप्रयाण दिवस विसर्जन दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ धर्मसंघ के नवम आचार्य, महान युगद्रष्टा एवं अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य श्री तुलसी का 30वां महाप्रयाण दिवस विसर्जन दिवस के रूप में अत्यंत श्रद्धासिक्त एवं भावपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी एवं सहवर्ती संत मुनि श्री काव्य कुमार जी का पावन सान्निध्य और मांगलिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

श्रावक समाज को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मुनि श्री दीप कुमार जी ने कहा कि आचार्य श्री तुलसी के अवदान आज समाज के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने आगे रेखांकित किया कि नैतिकता, संयम और मानवीय मूल्यों के उत्थान के लिए गुरुदेव डरा शुरू किया गया अणुव्रत आंदोलन आज भी समाज के लिए एक सशक्त प्रकाश स्तंभ है। आचार्य तुलसी ने व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। महाप्रयाण के तीन दशक बाद भी उनका विराट व्यक्तित्व और प्रगतिशील चिंतन आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत प्रासंगिक और अनुकरणीय रहेगा।

अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनि श्री काव्य कुमार जी ने कहा कि आचार्य श्री तुलसी ने धर्म को रूढ़ियों से निकालकर जीवनोपयोगी बनाया और उसे जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आह्वान करते हुए कहा कि 'विसर्जन दिवस' केवल अतीत को स्मरण करने का औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह उनके बताए महान आदर्शों और सिद्धांतों को अपने व्यावहारिक जीवन में पूरी निष्ठा के साथ आत्मसात करने का संकल्प लेने का विशेष दिवस है।

इससे पूर्व, कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ प्रातः स्मरणीय नमस्कार महामंत्र के सामूहिक जाप तथा प्रभावती जोन की युवतियों द्वारा सुमधुर मंगलाचरण के साथ हुआ। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने अपने स्वागत भाषण के जरिए सभी आगंतुकों और संतों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल की सदस्यों द्वारा गुरुदेव की स्मृति में एक अत्यंत भावपूर्ण गीतिका की प्रस्तुति दी गई, जिसने सबको भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न प्रबुद्धजनों ने भी अपने विचार व्यक्त किए एवं आचार्य श्री के प्रति गहरी कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम में सभाध्यक्ष सुशील जी संचेती, राजकुमार जी सुराणा, महेन्द्र जी भण्डारी, कमलेश जी रतिवाल, मानेपल्ली रामा राव जी तथा प्रभा दूगड़ सहित भारी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। इस सफल और आध्यात्मिक आयोजन का कुशल संचालन मंडल की मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने किया।

भट्टी विक्रमार्क का बड़ा आरोप

बीआरएस शासन में तेलंगाना का कर्ज का बोझ 9 गुना बढ़ा

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान तेलंगाना का कर्ज का बोझ जून 2014 के 90,161 करोड़ रुपये से बढ़कर दिसंबर 2023 तक 8.21 लाख करोड़ रुपये हो गया था। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को यहाँ ये आंकड़े जारी करते हुए विपक्ष (बीआरएस) पर राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

वित्तीय आंकड़ों पर बीआरएस को घेरा, कर्ज और भुगतान का दिया ब्यौरा

वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बीआरएस नेताओं टी. हरीश राव और के.टी. रामा राव द्वारा राज्य की आर्थिक स्थिति पर की गई टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2023 में सत्ता संभालने के बाद से कांग्रेस सरकार ने 1.77 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है, लेकिन पिछले ढाई साल में बीआरएस सरकार द्वारा लिए गए ऋणों के मूलधन और ब्याज के रूप में पहले ही 2.08 लाख करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। भट्टी ने स्पष्ट किया कि एफआरबीएम सीमाओं के भीतर लिए गए ऋण, राज्य की गारंटी पर सरकारी निगमों द्वारा जुटाए गए ऋण, कर्मचारियों के लंबित बकाये और डिस्कॉम की देनदारियों को जोड़ने के बाद बीआरएस शासन की कुल देनदारियां 8,21,651 करोड़ रुपये थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के तहत अंधाधुंध कर्ज और भ्रष्टाचार ने राज्य की वित्तीय व्यवस्था को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया था, और वर्तमान

सरकार वित्तीय स्थिरता बहाल करने के लिए काम कर रही है।

हरीश राव के इस दावे पर सवाल उठाते हुए कि बीआरएस सरकार ने केवल 3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, भट्टी ने पूछा कि यदि यह दावा सच था, तो भारतीय रिजर्व बैंक (ठइख) के लेनदेन के माध्यम से इतना भारी पुनर्भुगतान क्यों करना पड़ रहा है? उन्होंने कहा कि विरासत में मिले कर्ज के बोझ के बावजूद, कांग्रेस सरकार विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से 'रैतु भरोसा' जैसी कल्याणकारी योजनाओं को लागू करते हुए समय पर वेतन का भुगतान कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने वाणिज्यिक बैंकों से 10 से 10.5 प्रतिशत की उच्च ब्याज दरों पर कर्ज लिया, जिससे राज्य पर पुनर्भुगतान का बोझ बढ़ गया। इसके विपरीत, कांग्रेस सरकार ने कर्ज का पुनर्गठन किया है, जिससे 2025-26 और 2031-32 के बीच पुनर्भुगतान को 34,058 करोड़ रुपये से घटाकर 11,915 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे लगभग 22,142 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत होगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कालेश्वरम और मिशन भगीरथ जैसी परियोजनाओं के लिए ली गई देनदारियों को निगमों के माध्यम से रूट करके सरकारी खातों से बाहर रखा गया था, हालांकि इसके भुगतान की अंतिम जिम्मेदारी राज्य के खजाने पर ही थी।

सिंगारेनी से 40 लाख टन कोयला गायब होने के आरोपों पर सतर्कता जांच के आदेश

बीआरएस द्वारा सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) से 40 लाख टन कोयला गायब होने के आरोपों को भट्टी ने पूरी तरह से निराधार और बेतुका बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी एक उन्नत जियो-फेंसिंग सुरक्षा प्रणाली का उपयोग करती है और खदानों से एक किलोग्राम कोयला भी अवैध रूप से बाहर नहीं जा सकता।बहरहाल, सभी संदेहों को दूर करने के लिए सरकार ने एससीसीएल के निदेशक (सतर्कता/विजिलेंस) द्वारा व्यापक जांच के आदेश देने का निर्णय लिया है।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे बेबुनियाद आरोप कंपनी की प्रतिष्ठा और लगभग 40,000 कर्मचारियों की आजीविका को नुकसान पहुँचाते हैं।

खम्मम में 90 लाख रुपये का 180 किलो गांजा ज़ब्त

तस्करी की कोशिश नाकाम, एक गिरफ्तार

हैदराबाद/खम्मम, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के ड्रग नेटवर्क तक पहुँचाने के लिए ले जाई जा रही 90 लाख रुपये मूल्य की 180 किलोग्राम गांजे की एक बड़ी खेप को खम्मम में ही ज़ब्त कर लिया गया है। इस नशीले पदार्थ को शहर में प्रवेश करने से पहले ही पुलिस ने अपने कब्ज़े में ले लिया।

अंतरराज्यीय मादक पदार्थ आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़

तेलंगाना की ईगल फोर्स और खम्मम पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तस्करी में शामिल वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने इसे एक बड़े अंतरराज्यीय मादक पदार्थ आपूर्ति नेटवर्क के संचालन को विफल करने वाली कामयाबी बताया है। यह जब्ती क्षेत्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण सेल (आरएनसीसी), खम्मम द्वारा स्थानीय पुलिस के समन्वय से खम्मम जिले के सथुपल्ली में रेजरला स्थित प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के पास वाहन चेकिंग के दौरान की गई। अधिकारियों ने एक टोयोटा

इटिओस कार को रोककर जब उसकी तलाशी ली, तो उसमें छुपाकर रखा गया 180 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

ओडिशा से मंगाई गई थी खेप, 10 हजार में तय हुआ था सौदा

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओडिशा के मलकानगिरी जिले के रहने वाले एक मजदूर प्रबीन भतरा (31) के रूप में की है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गांजा ओडिशा के मलकानगिरी से खरीदा गया था और इसे अवैध बिक्री और वितरण के लिए हैदराबाद ले जाया जा रहा था। जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपी केवल 10,000 रुपये के लालच में इस खेप को पहुंचाने के लिए तैयार हुआ था। उसे निर्देश दिया गया था कि वह हैदराबाद पहुँचने के बाद ही रिसीवर (माल लेने वाले व्यक्ति) से संपर्क करे, लेकिन ड्रग्स के शहर में प्रवेश करने से पहले ही इस ऑपरेशन को नाकाम कर दिया गया।

पुलिस ने मामले में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इनमें से एक की पहचान ओडिशा के चित्रकोंडा निवासी भिकारी उर्फ रोहन के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर परिवहन की व्यवस्था की थी। दूसरे की पहचान आंध्र प्रदेश के नंद्याल निवासी नागेश्वर के रूप में हुई है, जो अपराध में इस्तेमाल की गई टोयोटा इटिओस कार का मालिक है।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार प्रबीन भतरा का आपराधिक इतिहास रहा है। उसे इससे पहले 2023 में आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले के माकवरपलेम पुलिस स्टेशन में दर्ज गांजा तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और रिहाई से पहले उसने विशाखा-पत्तनम सेंट्रल जेल में लगभग 10 महीने की सजा काटी थी।

पुलिस ने आरोपी के पास से 180 किलो गांजा, तस्करी में इस्तेमाल कार और एक मोबाइल फोन ज़ब्त कर लिया है। ज़ब्त की गई संपत्ति और आरोपी को सथुपल्ली पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है, जहाँ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों का पता लगाने और इस अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है।नशामुक्त तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, ईगल फोर्स ने नागरिकों, विशेष रूप से माता-पिता से अपील की है कि वे युवाओं और छात्रों में मादक पदार्थों के सेवन के प्रति सतर्क रहें।

विमलसागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा 6 का मंगल विहार संपन्न

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

अध्यात्म और धर्म-भावना के अनूठे संगम के बीच पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सूरीश्वरजी महाराज साहिब आदि ठाणा 6 का मंगल विहार शुक्रवार, 03 जुलाई 2026 को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। पूज्य आचार्य श्री का यह पावन विहार शादनगर से नंदीगाम गाँव तक लगभग 13 किलोमीटर का रहा, जो बिना किसी बाधा के अत्यंत निर्विघ्न और गरिमामय माहौल में पूरा हुआ।

इस पावन विहार के दौरान सेवा और वैयावच्च करने का अनमोल लाभ श्री शंखेश्वर भक्ति एवं सेवा मंडल के समर्पित पदाधिकारियों और गुरुभक्तों को मिला। विहार सेवा का लाभ लेने वालों में मंडल के अध्यक्ष श्री राजीव समदड़ीया, पूर्व अध्यक्ष श्री महावीर मुणोत, डॉ. भावेश, श्री प्रदीप बरमेचा एवं श्री चेतन मुथा विशेष रूप से अग्रणी रहे।

पूरे विहार मार्ग के दौरान वातावरण गुरुदेव की जय के उद्घोष से गुंजायमान रहा। पूज्य गुरु भगवंतों के दर्शन और वंदन के लिए मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहा। इस दौरान उपस्थित तमाम श्रावक-श्राविकाओं में अपार उत्साह, अटूट श्रद्धा और गहरी धर्म-भावना देखने को मिली।

ब्रिक्स ट्रेड यूनियंस फोरम शिखर सम्मेलन के सचिवालय कार्यालय का उद्घाटन, बंडारू दत्तात्रेय ने किया शुभारंभ

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

पूर्व राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय श्रम मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को हैदराबाद के आरटीसी क्रॉस रोड्स स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी भवन में ब्रिक्स ट्रेड यूनियंस फोरम शिखर सम्मेलन के सचिवालय कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया। इस गरिमामयी कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुंकारी मल्लेश्म ने की। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री बंडारू दत्तात्रेय ने बताया कि यह प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन आगामी 14, 15 और 16 जुलाई को हैदराबाद के होटल मैरियट में आयोजित किया

जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ब्राजील, रूस, चीन, भारत और दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया के 14 देशों के लगभग 50 विदेशी प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) के शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, भारत के विभिन्न राष्ट्रीय श्रमिक संगठनों के 70 शीर्ष ट्रेड यूनियन नेता भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने शिखर सम्मेलन के एजेंडे को साझा करते हुए बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में मुख्य रूप से चार वैश्विक विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों में काम का भविष्य , सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा, कार्य जगत के लिए आवश्यक कौशल, और मानव-केंद्रित तकनीक शामिल हैं, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका और उसके प्रभाव पर विशेष चर्चा की जाएगी।

आचार्य महाप्रज्ञ साइंस लैब का भव्य लोकार्पण

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल, मेकलामंडी में आचार्य महाप्रज्ञ साइंस लैब का भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। यह आधुनिक प्रयोगशाला तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप), हैदराबाद की अनूठी पहल पर एनटीटी मैनेज्ड सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीएसआर सहयोग से स्थापित की गई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के उपाध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि सोचने का एक तरीका है। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों में जिज्ञासा और नवाचार विकसित करने का सशक्त माध्यम बनेगी। आचार्य महाप्रज्ञ के शिक्षा एवं संस्कार आधारित जीवन-दर्शन को समर्पित यह पहल समाज के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनटीटी के एक्जीक्यूटिव व हेड (एपीएसी सर्विस डिलीवरी, क्लाउड एंड सिक्योरिटी) श्री चेतन कुमार मालवीय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में फाइनेंस कंट्रोलर श्री आशीष दक उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधन और व्यावहारिक ज्ञान ही भविष्य के नवाचारों की मजबूत नींव हैं।

इससे पूर्व, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती स्वरूपा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। तेयुप हैदराबाद के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राहुल जी ने परिषद की ओर से स्वागत वक्तव्य दिया और अतिथियों को आचार्य महाप्रज्ञ का प्रेरणादायी साहित्य भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में तेयुप हैदराबाद के पूर्व पदाधिकारी श्री जिनेन्द्र सेठिया, श्री जिनेंद्र बैद, सक्रिय कार्यकर्ता श्री आदेश पिरोदिया, एनटीटी से श्री सोमेश्वर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और 500 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री प्रांजल दुगड़ ने किया तथा अंत में तेलंगाना एमबीडीडी प्रभारी श्री अनिल दुगड़ ने सभी सहयोगियों एवं विद्यालय परिवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

गांधी भवन के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन चेवेल्ला विधायक काले यादैया पर लगाए आरोप

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन के बाहर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने प्रदर्शन करते हुए पार्टी नेतृत्व का ध्यान चेवेल्ला विधानसभा क्षेत्र की संगठनात्मक स्थिति की ओर आकर्षित किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी बचाओ के नारे लगाए और अपनी विभिन्न शिकायतें सार्वजनिक रूप से रखीं।

प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि चेवेल्ला विधायक काले यादैया लंबे समय से पार्टी के लिए कार्य कर रहे पुराने और समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों में पर्याप्त महत्व नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है कि कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है, जिससे स्थानीय संगठन में असंतोष बढ़ रहा है।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि विधायक सार्वजनिक कार्यक्रमों में कांग्रेस का दुपट्टा (स्कार्फ) नहीं पहनते तथा संगठन के पुराने कार्यकर्ताओं से अपेक्षित

संवाद और समन्वय नहीं रखते। इन आरोपों के समर्थन में प्रदर्शनकारियों ने पार्टी नेतृत्व से हस्तक्षेप की मांग की।

कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से आग्रह किया कि वह मामले की समीक्षा करे, सभी पक्षों से बातचीत कर संगठनात्मक मतभेदों का समाधान निकाले तथा चेवेल्ला में पार्टी संगठन को और मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

हालांकि, इन आरोपों पर चेवेल्ला विधायक काले यादैया या तेलंगाना कांग्रेस नेतृत्व की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई थी। इसलिए प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी राजनीतिक दल में संगठनात्मक असंतोष और आंतरिक मतभेद समय-समय पर सामने आते रहते हैं। ऐसे मामलों में अंतिम स्थिति संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रिया और पार्टी नेतृत्व द्वारा की जाने वाली कार्रवाई के बाद ही स्पष्ट होती है।

माओवादी खतरा कम होने पर तेलंगाना सरकार ने अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की सुरक्षा में की कटौती

हैदराबाद, 03 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): माओवादी खतरे के खात्मे को देखते हुए तेलंगाना सरकार ने जन प्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों सहित कई लोगों के सुरक्षा घेरे में कटौती की है। सुरक्षा के स्तर को कम करने के इस फैसले में गनमैनों की संख्या घटाना और बुलेटप्रूफ वाहनों सहित अन्य गाड़ियां वापस लेना शामिल है। राज्य पुलिस के शीर्ष सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि डीजीपी सीवी आनंद ने भी अपनी पायलट गाड़ी सरेंडर कर दी है और अपनी सुरक्षा को 'जेड' श्रेणी से घटाकर 'वाई+' श्रेणी का कर लिया है।

सुरक्षा समीक्षा समिति का व्यापक फैसला

सुरक्षा कम करने का यह निर्णय सरकार की 'सुरक्षा समीक्षा समिति' द्वारा लिया गया है। यह फैसला व्यापक स्तर पर लागू किया गया है, जिसके दायरे में सेवारत और सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) दोनों प्रकार के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और जन प्रतिनिधि शामिल हैं।

तेलंगाना से सशस्त्र माओवादी उपस्थिति का पूरी तरह खात्मा

इससे पहले, अप्रैल महीने में तेलंगाना के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने घोषणा की थी कि पीएलजीए कमांडर सोडी मल्ला सहित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के 42 कैडरों के आत्मसमर्पण के बाद अब राज्य सशस्त्र माओवादी उपस्थिति से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। डीजीपी ने कहा था कि तेलंगाना राज्य समिति को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है।

गौरतलब है कि पूर्व में माओवादी खतरे के कारण ही इन सुरक्षा प्राप्त लोगों को, जिनमें सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं, सुरक्षाकर्मी, बुलेटप्रूफ वाहन और अन्य सुरक्षा उपाय प्रदान किए गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.